TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

शाहजहाँपुर, रविवार 07 मई 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :11 पृष्ठ :8+4 मूल्य 2 रुपये

नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा : योगी आदित्यनाथ

■ शाहजहांपुर में सभी निकाय प्रत्याशियों को जिताने की अपील की

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। इसी क्रम में सीएम योगी ने शाहजहांपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यहां दंगे होते थे। कर्फ्यू लगता था, अराजकता रहती थी। आज नो कर्फ्यू नो दंगा। यूपी में अब सब चंगा। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन मैदान में उतरा। पुलिस लाइन मैदान से मुख्यमंत्री काफिले के साथ खिरनी बाग मैदान रवाना हुए। यहाँ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। बता दें कि शाहजहांपुर में पहली बार मेयर का चुनाव हो रहा है।योगी आदित्यनाथ ने शहीदों की नगरी को नमन करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं और उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि दुनिया में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। भारत विश्वगुरू बनकर उभरा है।सीएम योगी ने कहा कि हमने छह वर्षों में माफियाओं की गर्मी दूर की है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। आज व्यापारी सीना तानकर चलता है। अपराधी गले में तख्ती डालकर चलते हैं। भयमुक्त वातारण है। अब उपद्रव नहीं उत्सव हो रहे हैं। 2017 से पहले विरासत का सम्मान नहीं था। आज शहीद संग्रहालय बन रहा है। हनुमत धाम शाहजहांपुर को नई पहचान दे रहा है। परिवारवाद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले परिवारवादी लोग युवाओं के हाथ में तमंचे पकड़वाते थे। आज युवाओं के हाथों में टैबलेट हैं। मुख्यमंत्री ने करीब 10 मिनट तक सरकार की योजनाओं को गिनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में तीन मंत्री है प्रदेश के विकास से जुड़ी हर परियोजना में शाहजहांपुर का भी स्थान होता है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमा रखन्ना और पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद की तारीफ भी की। गंगा एक्सप्रेस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि फरूर्खाबाद में एक नारा लगता था कि फरूर्खाबाद चूसे गन्ना एक्सप्रेस वे ले गए खन्ना। सीएम योगी ने शाहजहांपुर को नगर निगम बनाने के साथ ही अब विकास प्राधिकरण बनाये जाने का भी वादा किया। शहर को स्मार्ट सिटी और सेफ सिटी योजना में शामिल किया गया है। इसके बाद नगर निकाय प्रत्याशियों के पक्ष में जनता से समर्थन की अपील की। सीएम योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि लोगों को आवास की सुविधा मिली है। करोड़ों लोगों के घरों में शौचालय बने हैं। रसोई गैस के कनेक्शन उपलब्ध हो गए। उन्होंने कहा कि भारत इकलौता देश है, जिसने 80 करोड़ लोगों को कोरोना काल में निशुल्क राशन दिया। यूपी में 15 करोड़ लोगों से पिछले तीन वर्ष से फ्री में राशन की सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इससे पूर्व पुलिस लाईन पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जितिन प्रसाद, डीसीबी चेयरमैन डीपीएस राठौर व अन्य भाजपा नेताओं ने स्वागत किया। निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा करने पहुंचे योगी आदित्यनाथ की सभा उनके कद के अनुरूप नहीं दिखाई दी। कहने को तो जिले में तीन मंत्री, दो सांसद, छह विधायक, पांच एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष, 15 ब्लाक प्रमुख से लेकर हर गली, मोहल्ले और बूथ पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद है। ऐसे में योगी आदित्यनाथ जैसी शख्सियत की सभा में एक छोट सा मैदान भी न भर पाना कहीं न कहीं पार्टी नेताओं की कार्यकुशलता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा हैं और यह भाजपा के लिए चिंता का विषय हो सकता है।

इस दौरान प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, मेयर पद की प्रत्याशी अर्चना वर्मा, सभी भाजपा प्रत्याशी, सांसद अरुण सागर, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता, महानगर महामंत्री नवनीत पाठक, विधायक मानवेन्द्र सिंह, चेतराम, वीर विक्रम सिंह प्रिंस, हरिप्रकाश वर्मा, सलोना कुशवाहा, एमएलसी सुधीर गुप्ता तथा मेयर, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष पद के सभी भाजपा प्रत्याशी मंच पर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री को राम दरबार भेंट कर किया स्वागत

निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना के भतीजे चन्द्रशेखर खन्ना (धीरू), विनायक अग्रवाल, दिव्यांग सिंघल सहित कई भाजपा नेताओं ने राम दरबार भेंट कर स्वागत किया।

नवनीत पाठक ने मुख्यमंत्री को भेंट की गणेश प्रतिमा

मुख्यमंत्री की सभा के दौरान भाजपा के महानगर महामंत्री व शहर के प्रमुख व्यवसायी नवनीत पाठक ने गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर स्वागत किया। प्रतिमा को देखकर मुख्यमंत्री काफी प्रसन्न दिखाई दिये।

पवार का पावर बरकरार, अजीत पवार के कटे पर, सुप्रिया सूले का बढ़ा कद

लोक पहल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार के दांव पेंच का लोहा लगभग सभी दल मानते हैं। राजनीति में उनका उठाया हुआ हर कदम और कही हर बात के अपने अलग ही मायने होते हैं। उनकी पार्टी एनसीपी में जब पावर गेम शुरू हुआ और पार्टी में कई गुट सक्रिय होने लगे तो शरद पवार को एनसीपी को एकजुट करने की चिंता सताने लगी है। एक ओर जहां उनके सामने उनके भतीजे व पार्टी के वरिष्ठ नेता अजीत पवार के राजनैतिक भविष्य का प्रश्न था वहीं दूसरी ओर वह अपनी पुत्री सुप्रिया सूले को भी पार्टी एक बेहतर मुकाम पर स्थापित करना चाहते हैं। पार्टी के भीतर जब उठा–पटक शुरू हुई तो शरद पवार ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का ऐसा दांव चला कि उनकी पाटी में ही उनके इस्तीफे को वापस लेने की मांग उठने लगी और बगावत करने वाले नेता एकजुट होकर शरद पवार के झण्डे के नीचे आने लगे।

एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने अपने इस्तीफे की पेशकस कर एक तीर से कई निशाने साध लिये। उनके इस दांव ने सियासत के ऐसे रंग दिखा दिए हैं जिस वजह से एक बार फिर उन्हें भारतीय राजनीति का चाणक्य माना जा रहा है। उनके इस दांव से एक ओर जहां शरद पवार के भतीजे अजीत पवार हाशिए पर आते दिखाई दे रहे है वहीं उनकी पुत्री सुप्रिया सूले का कद पार्टी में बढ़ा है। शरद पवार ने जिस तरह से पहले इस्तीफा दिया, फिर पार्टी में विरोध प्रदर्शन हुआ और आखिर में इस्तीफा ही वापस हो गया, ये पूरा घटनाक्रम किसी सुपरहिट फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा रहा। लेकिन इस एक फिल्म ने अजित पवार के सियासत को कमजोर कर दिया, सुप्रिया सुले की ताकत बढ़ा दी और शरद पवार को फिर एनसीपी का असली बॉस साबित कर दिया।

अभी तक ये स्पष्ट नहीं है कि शरद पवार ने जानबूझकर अपना इस्तीफा दिया था या फिर ये किसी बड़ी रणनीति का हिस्सा था। लेकिन जानकार मानते हैं कि एनसीपी में जो बगावत के सुर उठ रहे थे, जिस तरह से पार्टी में अलग–अलग गुट सक्रिय हो रहे थे, उसे देखते हुए पवार ने सियासी बाण छोड़ा जिस वजह से पार्टी फिर एकजुट भी हो गई और इस्तीफों का दौर भी रुक गया। अब शरद पवार ने तो पार्टी में अपनी पकड़ और ज्यादा मजबूत कर ली है, लेकिन महत्वकांक्षी सपने देख रहे अजित पवार के कुछ समय के लिए ही सही सियासी पंख काट दिए हैं।

इस बारे में एनसीपी के ही एक बड़े नेता कहते हैं कि शरद पवार की सबसे बड़ी चिंता ही ये है कि उनकी पार्टी एकजुट रहे, ऐसे में वे कभी भी अजित के हाथ में पार्टी की बागडोर नहीं देने वाले हैं क्योंकि इससे वरिष्ठ नेता नाराज हो जाएंगे। उस नेता ने तो यहां तक कहा है कि अजित की सियासी गतिविधियों पर लगातार नजर रखने के लिए सुप्रिया सुले का इस्तेमाल किया जाता है। इस समय अजित पवार के सामने एक और बड़ी चुनौती है और ये चुनौती उन्हें सुप्रिया सुले से मिल रही है।

कौन बनेगा शाहजहांपुर का पहला महापौर ?

भाजपा–सपा व कांग्रेस में त्रिकोणात्मक संघर्ष के आसार

सुयश सिन्हा

शाहजहांपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रचार अभियान जोरों पर है। सभी दल अपनी जीत के दावों के साथ मतदाता की नब्ज टटोलने में लगे हुए है। शाहजहांपुर शहर की जनता पहली बार अपने महापौर का चुनाव करने जा रही है। यहां करीब सवा तीन लाख मतदाता नगर निगम के पहले मेयर को चुनेंगे। निकाय चुनाव की घोषणा होने के साथ ही सभी दलों ने अपने–अपने तीर तरकश से निकालने शुरू कर दिए है लेकिन सबसे बड़ा उलटफेर भाजपा प्रत्याशी को लेकर देखने को मिला। नामांकन की अन्तिम तिथि से पहले भाजपा ने समाजवादी पार्टी की घोषित प्रत्याशी अर्चना वर्मा को पार्टी में शामिल कर मेयर का टिकट दे दिया। एक बार फिर अन्य चुनावों की तरह भाजपा को एक आयातित प्रत्याशी पर ही दांव लगाना पड़ा। यहां महापौर का पद पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित है। आखिर वे कौन से कारण थे जिनके चलते तीन मंत्री, छह विधायक, दो सांसद, पांच एमएलसी, जिला पंचायत अध्यक्ष व 15 ब्लाक प्रमुख वाली पार्टी भाजपा को शाहजहांपुर नगर निगम में महापौर पद के लिए कोई मजबूत उम्मीदवार नहीं मिला जो भाजपा को सपा के एक पुराने राजनैतिक घराने में सेंध लगानी पड़ी।

शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद पर बीते दो दशक से समाजवादी पार्टी का कब्जा रहा है। इस बार नगर निगम बनने पर समाजवादी पार्टी ने सपा के संस्थापक सदस्य स्व0 राममूर्ति सिंह वर्मा की पुत्रवधू व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अर्चना वर्मा को प्रत्याशी बनाया था लेकिन भाजपा ने बाजी पलटते हुए अर्चना वर्मा को ही भाजपा में शामिल कर उन्हें भाजपा का टिकट दे दिया। जीत की गारंटी मानकर अर्चना ने भी सत्तारूढ़ दल का दामन थामना उचित समझा। उनका यह दांव कितना सही बैठेगा, यह तो मतगणना के बाद ही पता चलेगा लेकिन फिलहाल भाजपा कैडरवेस कार्यकर्ता और पार्टी का समर्थक मतदाता खुद को ठगा जरूरी महसूस कर रहा है।

प्रदेश सरकार के कद्दावर नेता सुरेश खन्ना ने सपा के महापौर के उम्मीदवार को भाजपा में शामिल कराकर अपनी राजनैतिक कौशल का लोहा जरूर मनवाया है। प्रचार के साथ ही खन्ना ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करने के लिए घर–घर दस्तक दी। सत्ता की हनक भी काम आई और लोग जुड़ते गए लेकिन राजनीति के जानकारों का मानना है कि पिछले नगर पालिका चुनाव में इसी घटना क्रम की पुनरावृत्ति करते हुए भाजपा ने एक पुराने राजनीतिक घराने में सेंध लगाकर सपा के पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद की पत्नी नीलिमा प्रसाद को पार्टी प्रत्याशी बनाया था उस चुनाव में भाजपा की एक लहर चलती दिखाई दे रही है और जनता में भी श्रीमती प्रसाद काफी क्रेज था इसके बावजूद उन्हें सपा प्रत्याशी जहांआरा बेगम से शिकस्त मिली थी। जानकारों का कहना है कि इस बार एक आम आदमी मंदी की मार झेल रहा है व्यापारी से लेकर सरकारी सेवारथ कर्मी, निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारी मंदी की मार झेल रहा है। महंगाई अपने चरम पर है और मतदाता खामोश। कुछ व्यापारी नेता, ठेकेदार और अपने निजी स्वार्थो के चलते दल बदलू कार्यकर्ता के सहारे भाजपा प्रत्याशी अर्चना वर्मा जीत की ख्वाब देख रही हैं।

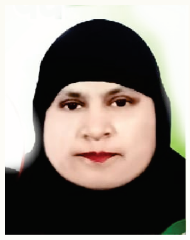

हालांकि कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए दिन रात एक कर दिया है। वह एक–एक पार्टी कार्यकर्ता और मतदाता से मिलकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे है। कुछ अन्य नेता भी पार्टी प्रत्याशी के लिए जीजान से जुटे हुए है लेकिन अंदरखाने भीतरघात की आशंकाओं से इंकार भी नहीं किया जा सकता। अर्चना वर्मा का दांव कितना सटीक बैठेगा यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी ने निकाय चुनाव में तमाम उतार चढ़ाव देखे हैं। पार्टी की अधिग्रहीत प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने जब रातो रात पार्टी का दामन छोड़ दिया तो सपा के समक्ष प्रत्याशी का संकट खड़ा हो गया। सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने कई नामों पर विचार किया लेकिन अंततः सपा ने पार्टी के पुराने कार्यकर्ता सर्वेश राठौर की पुत्रवधू माला राठौर को अपना प्रत्याशी घोषित कर नामांकन करा दिया। सपा के लिए निकाय चुनाव में बदलते घटनाक्रम में काफी मुश्किलें पैदा की है। पहले जहां पार्टी प्रत्याशी ने पार्टी के साथ विश्वासघात करते हुए भाजपा में अपनी जगह तलाश ली वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में गुटबाजी और बिखराव का असर साफ दिखाई दे रहा है। ऊपरी तौर पर जहां भाजपा कार्यकर्ता एकजुटता के साथ पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार अभियान चलाये हुए है और पूरी पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में मजबूती के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में अंदरूनी कलह और बिखराव खुलकर सामने आने लगा है। प्रचार समाप्ति की ओर है लेकिन पार्टी का कोई बड़ा नेता अभी तक पार्टी प्रत्याशी माला राठौर के पक्ष में खुलकर प्रचार करने सामने नहीं आया है। पार्टी जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने पूरी कमान संभालते हुए पूरी मेहनत के साथ पार्टी प्रत्याशी माला राठौर के पक्ष में प्रचार अभियान में जुटे हुए है और अपने कार्यकाल के दौरान कराये गये विकास कार्यो की दुहाही देकर माला राठौर को विजयी बनाने की अपील कर रहे हैं। हालांकि समाजवादी पार्टी के पास तमाम बिरादरी के कई कद्दावर नेता है जिनकी मतदाताओं पर मजबूत पकड़ भी है मगर यह नेता अभी तक चुनाव प्रचार में नजर नहीं आये। हां इतना जरूर है कि नामांकन के दिन पार्टी नेता जरूर दिखाई दिये। अब सवाल यह उठता है कि एक ओर जहां भाजपा पूरे दमखम के साथ प्रचार अभियान में जुटी हुई है। बाहरी प्रत्याशी होने के बाद भी भाजपा में एकजुटता दिखाई दे रही है वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, सांसद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता दिन रात पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने में लगे हुए है वहीं समाजवादी पार्टी प्रचार अभियान में पिछड़ती दिखाई दे रही है। अब सवाल यह उठता है कि मजबूत व एकजुट भाजपा के सामने बिखरी हुई समाजवादी पार्टी किस तरह मुकाबला करेगी। सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां क्या अपनी दम पर माला राठौर को शाहजहांपुर का पहला महापौर बनवा पाएंगे। यह कहना अभी जल्दबाजी होगा।

नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस पार्टी की प्रत्याशी पूर्व पालिका अध्यक्ष स्व. मोहम्मद इकबाल की पत्नी निकहत इकबाल भी मजबूती के साथ डटी हुई है। बता दें कि मोहम्मद इकबाल के पुत्र अनस इकबाल पहले समाजवादी पार्टी में पदाधिकारी थे और वह शाहजहांपुर मेयर का टिकट चाह रहे थे लेकिन पार्टी जिलाध्यक्ष से उनकी सहमति नहीं बनी जिसके चलते उन्होंने समाजवादी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया और महापौर का टिकट अपनी वालिदा निकहत इकबाल के लिए हासिल कर लिया। हालांकि संगठन के तौर पर यहां कांग्रेस का कोई खास बजूद नहीं आ रहा है लेकिन जिस तरह धीरे–धीरे निकहत इकबाल का चुनाव जोर पकड़ रहा है उससे राजनीति के जानकार भी चौकन्ने हैं। माना जा रहा है कि पहले चरण के लिए हुए मतदान में मुस्लिम मतदाता समाजवादी पार्टी से खफा दिखाई दिया है इसका मुख्य कारण एक ओर जहां अतीक अहमद हत्याकाण्ड है तो वहीं दूसरी ओर मुस्लिमों का मानना है कि सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के साथ हुए घटनाक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पूरी पार्टी खड़ी हुई नहीं दिखाई दी। ऐसे में माना जा रहा है कि यदि करीब सवा लाख मुस्लिम मतदाता एकजुट होकर किसी के पक्ष में मतदान करते हैं तो परिणाम कुछ भी हो सकता है। फिलहाल कांग्रेस प्रत्याशी निकहत इकबाल मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के लिए पूरी दमदारी से डटी हुई है।

बहुजन समाज पार्टी ने यहां पार्टी के पुराने कार्यकर्ता राशिद कुरैशी की पत्नी शगुफ्ता अंजुम को अपना प्रत्याशी बनाया है। हालांकि शगुफ्ता अंजुम भी अपनी शौहर राशिद कुरैशी के साथ पूरी दमदारी से चुनाव अभियान में जुटी हुई है लेकिन फिलहाल उन्हें कोई खास समर्थन मिलता दिखाई नहीं दे रहा है। वैसे भी मुस्लिम मतदाताओं की यह धारणा बन गई है कि बसपा केवल भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए ही मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारती है। आगामी 11 मई को नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा। शहर में पहले महापौर पद को हासिल करने के लिए कुल आठ प्रत्याशी मैदान में है इसमें आम आदमी पार्टी की सुमन वर्मा भी मैदान में डटी हुई है इसके अलावा तीन अन्य प्रत्याशी भी मैदान में है। फिलहाल जो माहौल दिखाई दे रहा है उसमें यह कहा जा सकता है कि शाहजहांपुर के पहले महापौर पद के लिए यहां त्रिकोणात्मक संघर्ष है। अन्तिम समय में कौन किस पर भारी पड़ेगा यह कहना तो अभी जल्दबाजी होगा लेकिन एक विशेष समुदाय का वोट हमेशा से यहां एकजुट होकर पड़ता रहा है। अन्तिम समय में उनका मत निर्णायक साबित हो सकता है फिलहाल भाजपा, सपा और कांग्रेस तीनों के लिए ही मेयर की कुर्सी की राह इतनी आसान भी नहीं है। ऊंट किसी करबट भी बैठ सकता है शाहजहांपुर का पहला महापौर कौन बनेगा यह तो मतगणना के बाद ही पता चलेगा।

शाहजहांपुर के आर्थिक व शैक्षणिक विकास में भागीदार थी नगरपालिका

डा. विकास खुराना

शाहजहांपुर। ब्रिटिश काल से ही शहर नगरपालिका समाज के आर्थिक, शैक्षणिक, गतिविधियों में सहायक बनी रही। शाहजहांपुर शहर के विस्तार में सबसे बड़ी बाधक यहां की खन्नौत और गररा नदियां थीं।इनमे से गर्रा अपने प्रवाह क्षेत्र को हर साल बदलने की प्रकृति रखती है। पालिका ने इन्हे बांधने की योजना बनाई। 1879 में एक क्रास रोड प्लान बनाया गया जिसके तहत शहर के चौक इलाके से गुदड़ी बाजार होते हुए एक सड़क बिसरात घाट की दिशा से ट्रंक रोड से मिलाई गई इससे खन्नौत के किनारे किनारे ऊंचा तटबंध विकसित हो गया। इसी सड़क के किनारे किनारे वर्तमान सब्जी मंडी तथा न्यूगंज बाजार स्थापित किया गया। नयूगंज मार्केट पर तब पालिका द्वारा 36000 रुपए की लागत लगाई गई थी। उस समय का अत्याधुनिक बाजार केरूगंज था। इस बाजार को विख्यात केरू कंपनी ने बसाया था,यह बाजार आज शहर के पाश इलाको में शुमार है।इस बाजार से होने वाली आमदनी को देखते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी जेएस पोर्टर ने इसे पालिका को हस्तगत करवाने का मन बनाया। उन्होंने शासन को इसके लिए प्रस्ताव भेजा किंतु शासन ने अनिच्छा जाहिर की जिसपर जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत रूप से चौहत्तर हजार रुपए कर्ज लेकर बाजार खरीदकर पालिका को दे दिया। यह एग्रीमेंट 16 नवंबर 1883 को हुआ था।पालिका बोर्ड ने अगले बारह वर्षों में सात प्रतिशत ब्याज के साथ सारा कर्ज उतार दिया।इस बाजार से पालिका को अपनी वार्षिक आय का पांच प्रतिशत प्राप्त होता था। पालिका द्वारा शहर में अनेक सरायो की देख रेख की जाती थी नवाब मेहंदी हसन की सराय इनमे विशेष ध्यातव है।नवाब मेहंदी हसन अवध दरबार के वजीर थे, अंग्रेजो का विरोध करने में उनका नाम अग्रणी था, उनके द्वारा लखनऊ बरेली मुख्य सड़क पर एक सराय का निर्माण कराया गया था। बाद में यह सराय पालिका को मिल गई। इसमें रुकने वालो से पालिका कुछ भी व्यय नही लेती थी क्योंकि नवाब के उत्तराधिकारियों की मंशा थी कि इसमें यात्री निशुल्क भोजन और रहना प्राप्त कर सकें,सराय के ठीक सामने पड़ी जमीन से होने वाली आय से ही सारा खर्च निकाला जाता था। पालिका द्वारा शहर के नौकाघाटो की विशद देख भाल की जाती थी। सामान्य दिनों में यह नौकाघाट ही शहर से बाहर निकलने का रास्ता होते थे। मानसून के दिनो मे नौका पुल हटा लिए जाते थे तब नावों के माध्यम से आवागमन सुचारू होता था। शाहजहांपुर का ब्रिटिश गजेटियर बताता है कि रेल के आने से पहले गर्रा के जरिए व्यापारिक गतिविधियां संचालित होती थी, पालिका द्वारा अजीजगंज में एक ऑक्टूराई लगाया गया था जहां से पालिका को अपनी हि आय का पच्चीस प्रतिशत प्राप्त होता था अन्य नौका घाटों में राजघाट की चर्चा व्यापक है जहां बाद में नवाब वजीर मेहंदी हसन द्वारा लकड़ी के बीम का पुल डलवा दिया गया।

पालिका द्वारा शहर के शैक्षणिक विकास के लिए भी कार्य किए गए। इसके द्वारा कटिया टोला में एक स्कूल, एक संस्कृत विद्यालय, बालिकाओं के लिए विशिष्ट स्कूल का संचालन किया जाता था, कोई चौदह स्कूलों को पालिका अनुदान देती थी।

शहर के अंदर आने वाले व्यापारिक काफिलो से पालिका चुंगी वसूल करती थी। वर्ष 1903 में पालिका ने चीनी पर से चुंगी हटा दी तथा प्रतिपूर्ति हेतु रबी पर छह पाई प्रति मांड कर लगा दिया। व्यापारियों को तीन रंग के पास मिलते थे। चुंगी से पालिका को पचपन प्रतिशत की आय होती थी।

शाहजहांपुर में आधुनिक विद्युत प्रणाली 1929 में आई। इससे पूर्व पालिका का रोशनी गोदाम शहर के पथ प्रकाश की व्यवस्था करता था। खम्बो पर लगे लैंप्स में पालिका के कर्मचारी शाम को आकर तेल डालते थे जो सुबह तक जलते रहते थे। शहर की पहली जल प्रणाली 1869 में नवाब बहादुरखान के मकबरे के पास बनी, यह हस्तचालित थी, 1930 के दशक से घर घर पानी आपूर्ति पर विचार होने लगा था। समकालीन स्रोतों में एक रूढ़िवादी व्यवस्था का बहुत जिक्र है इसके अंतर्गत पालिका हर घर से मानव अपशिष्ट खरीदती थी जो खाद के रूप में किसानों को बेचा जाता था। इसे गधों से ढोया जाता था, मानव अपशिष्ट से बनी खाद की मांग इतनी अधिक थी कि पालिका को इसके लिए एक विशेष सचिव नियुक्त करना पड़ा था। यह प्राणली पुरातन व्यवस्था पर आधारित थी, इसपर सफाई कर्मचारियों का एकाधिकार था, इससे किसानों को रियायती दर पर खाद तो मिलती ही थी साथ ही पालिका का सफाई व्यवस्था का कार्य भी पूरा हो जाता था।

कैसा हो हमारा मेयर?

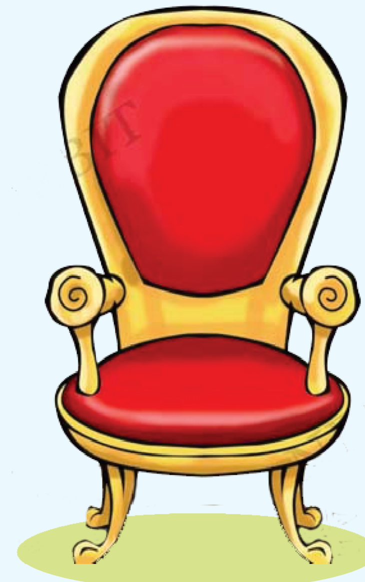

शाहजहांपुर। नामांकन के बाद नगर निकाय चुनाव की सरगर्मियां तेज है। धीरे–धीरे चुनाव प्रचार भी जोर पकड़ने लगा है। प्रत्याशी घर–घर पहुंचकर मतदाताओं के सामने लोक लुभावन वादों का पिटारा खोलकर अपने पक्ष में मतदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। शाहजहांपुर शहर की बात करें तो यहां पिछले पांच सालों में काफी कुछ बदल चुका है। नगर पालिका परिषद में अब नगर निगम का रूप ले लिया है और इस बार शहर के मतदाता अपना पहला महापौर चुनने जा रहे है। जाहिर है कि चुनाव से पहले लोगों के मनो में कई प्रश्न है कि उनके पहले मेयर में आखिर कौन सी खूबियां होनी चाहिए। लोक पहल में शहर के तमाम मतदाताओं से इस पर उनकी राय जाननी चाहिए तो किसी ने कहा कि जनहित के मुद्दों को सार्थक करना वाला हो उनका पहला महापौर तो कोई बोला महापौर शिक्षित और ईमानदार होना चाहिए। किसी ने राय दी कि हमारा पहला महापौर कम से कम ऐसा तो होना ही चाहिए जिसे अपने दायित्वों का ज्ञान हो। शिक्षित, ईमानदार और सर्वसुलभ महापौर की लगभग सभी ने राय जताई है।

मेयर को शहर का प्रथम नागरिक माना जाता है इसलिए आवश्यक है कि वह स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी आवश्यक और मजबूत कदम उठाए जो एक बेहतर समाज के लिए निर्णायक साबित होगा जिसके जरिए हम बेटियो को एक अच्छा माहौल दे पाएंगे। **मुस्कान सिंह**

शहर का मेयर ऐसा हो जो अच्छी छवि का हो जिसकी नियत साफ हो व जो छात्राओं की समस्याओं को समझें और उनपर निर्णय ले सकें। साथ ही शहर की समस्याओं को शासन प्रशासन के समक्ष पूरी दमदारी के साथ रखकर उनका निराकरण कराने में सक्षम हो। **वर्तिका सक्सेना**

हमारा मेयर ईमानदार होने के साथ–साथ कर्मठ भी हो और उसे बड़ा कदम उठाना चाहिए कि जो मंदिरों में बची हुई पूजा सामग्री है उसका उचित जगह स्थान निर्धारित किया जाए तथा उसको विसर्जित कर दिया जाए जिससे कि एक ओर जहां साफ सफाई भी हो सकेगी और पूजा सामग्री का अनादर भी नहीं होगा। **विधि त्रिवेदी**

शाहजहांपुर का पहला मेयर ऐसा होना चाहिए जो शहर की समस्याओं से रूबरू होना चाहिए। निगम के अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी का बोध करा सके तथा उसे शहर के सर्वांगीण विकास करवाने के लिए जानकारी होनी चाहिए। साथ ही निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए भी उसे कठोर कदम उठाने चाहिए। **विनीता रस्तोगी।**

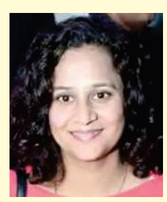

शाहजहांपुर नगर निगम का पहला मेयर ऐसा होना चाहिए जो अपने विवेक से निर्णय लेने में सक्षम हो किसी बड़े नेता की कठपुतली बनकर काम करने वाला न हो। साथ ही उसमें स्वतंत्र होकर जनता के कल्याण के लिए कार्य करने की दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए। शहर की मूलभूत समस्याओं के निराकरण के साथ उसमें शहर को बड़े शहरों की भांति विकसित करने के लिए रोडमैप होना चाहिए। **शैली**

खुशी की बात है कि नगर निगम शाहजहांपुर को उसका पहला मेयर मिलने जा रह है, नगर की जनता को बहुत ही सोच समझ कर निर्णय लेना होगा कि वो एक ऐसे प्रत्याशी को मेयर बनाकर निगम की बागडोर सौंपे। जो नगर के विकास के लिए कड़े फैसले लेने मे सक्षम हो और बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष तरीके से विकास कार्य करा कर नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा मे प्रयासरत रहे और नगर की जनता को आवश्यकता पड़ने पर सुगमता से उपलब्ध हो! **अशोक नागपाल**

अशफाक, रोशन, बिस्मिल के शहर का प्रथम मेयर ऐसा होना चाहिए, जो शहर की जनता की समस्यायों का निष्पक्षता से समाधान करे। मेयर को स्वास्थ, शिक्षा के साथ–साथ महानगर की स्वच्छता व्यवस्था पर ख़ास ध्यान हो। हफ्ते में कम से कम एक दिन जन सुनवाई करने वाला हो। **मोहम्मद आकिब सिद्दिकी**

शाहजहांपुर शहर में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है सभी समस्याओं को एक–एक करके दूर करना होगा। नवनिर्वाचित मेयर को स्वच्छ और हरा–भरा शहर बनाने के लिए काफी प्रयास करने होंगे साथ ही उसे अमीर, गरीब और दलगत भावना से ऊपर उठकर सभी का काम और सहयोग बिना किसी भेदभाव के करना चाहिए। **मो. तौसीफ**

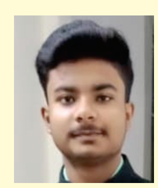

शाहजहांपुर में टूटी सड़कें और जलभराव की समस्या आज भी बड़ा मुद्दा है और नालों की सफाई कई महीनों तक नहीं करवाई जाती है, वह अत्यधिक गंदगी से भर जाते हैं, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। काफी समय से सड़क पर लोगों को बहुत सी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि ज्यादतर सड़के खुदी हुई पड़ी हैं इस कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा ज्यादा बना रहता है। इन सभी समस्याओं को जल्द से जल्द निस्तारण करने वाला हो हमारो मेयर। **आयुष श्रीवास्तव**

शाहजहांपुर का प्रथम मेयर ऐसा हो जो किसी बातों पर निर्णय न लेकर स्वयं फैसला ले सके। प्रत्याशी ऐसा हो जो शिक्षा सुरक्षा एंव चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाए और जो शहर को दूर दृष्टिता सोच के साथ विकास के पथ पर ले जाये। **वैभव सक्सेना**

नगर निगम का मेयर ऐसा होना चाहिए जो नगर निगम को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने में मदद करें। शहर में जो पार्क खस्ता हालत में है उनका विकास होना चाहिए । साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए जिससे बीमारियां नागरिकों से दूर रहें। **अक्षय सक्सेना**

मेयर शिक्षित हो, जनता के दुःख–दर्द को समझने वाला हो। जन सामान्य से दूर नहीं बल्कि लोगों से मिलकर उनकी समस्या हल करें। वोट की लालसा रखने वाला नहीं, जनता के दिलों पर राज करने वाला महापौर हो।–**मयंक गुप्ता,** छात्र,

रानी प्रियंका वल्लरी
बहादुरगढ़ हरियाणा

सच्चरित्रता

अंग्रेजी के एक कहावत का अर्थ है –यदि धन नष्ट हुआ था तो कुछ फिक्र नहीं, यदि स्वास्थ्य नष्ट हुआ तो कुछ फिक्र जरूर हैं, यदि चरित्र हो गया नष्ट तो शेष क्या बचा? अर्थात धन, स्वास्थ्य और चरित्र में से चरित्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। वह जीवन का मूल्य हैं। उसके बिना जीवन मृत्यु के समान है चरित्र में वह शक्ति हैं जो धूल को पर्वत बना सकती है, और कीचड़ में कमल खिला सकती हैं। 'सच्चरित्र' का अर्थ हैं अच्छा चरित्र, अच्छी चाल चलन या व्यक्तित्व के गुण। यद्यपि चरित्र बुरा भी हो सकता है और श्रेष्ठ भी परंतु समाज में प्रायः अच्छे चरित्र को ही चरित्रवान कहते हैं। अतः चरित्र शब्द स्वतंत्र रूप से अच्छे चरित्र के लिए प्रयुक्त होता हैं। चरित्रवान का अर्थ हैं ईमानदार, सच्चा, दयावान, करुणा वान, कर्मठ, धर्मनिष्ठ, शुद्ध और कपटहीन व्यक्ति। कुछ लोग चरित्रवान केवल उसी को जानते हैं जिसमे काम संबंधी विकार नहीं हैं। चरित्र में व्यक्तित्व के सभी गुण आ जाते हैं। सच्चरित्र में अपार बल होता हैं। जिस व्यक्ति में प्रेम, मानवता, दया, करुणा, विनय आदि गुण समा जाते हैं, वह शक्ति का अपार भंडार बन जाता हैं। उसमें से ज्योति की अदम्य किरणें फूटने लगती हैं। जैसे सूरज का तेज समस्त दिशाओं को आलोकित कर देता हैं। उसी प्रकार चरित्र बल जीवन के सभी क्षेत्रों को शक्ति, उत्साह और प्रकाश से भर देता हैं। कारण स्पष्ट हैं। ईमानदारी, सच्चाई, निष्कपटता, मानवता आदि गुण स्वयं में शक्तिमान हैं। यदि ये सभी शक्ति के कण किसी एक व्यक्ति के व्यक्तित्व में पूँजीभूत हो जाए तो फिर महाशक्ति का विस्फोट हो सकता हैं।

चरित्र बल का प्रभाव अत्यंत तीव्रता से होता हैं। किसी चरित्रवान व्यक्ति के सामने खड़े होकर हमारी कमजोरियां नष्ट होने लगती हैं। जब पत्थर के देव मूर्ति के सामने हम कोई पाप नहीं कर पाते तो जीवित देवताओं के सामने हम भला कैसे कोई पाप कर सकते हैं? यही कारण हैं की चरित्र संपन्न व्यक्ति के समकक्ष व्यसनी लोग इस तरह झुक जाते हैं जैसे सूरज के निकलने पर अंधेरा हार मान लेता है। इतिहास प्रमाण हैं की भगवान बुद्ध के सामने अंगुलिमाल ने घुटने टेक दिए थे। इससे यही प्रमाणित होता हैं कि चरित्र बल में अपार शक्ति होती हैं। इस शक्ति को अखंड साधना,अभ्यास और प्रयत्न से पाया जा सकता हैं।

गज़ल

उनकी हस्ती के बारे में
अपना था अंदाजा और।
एक बड़े दरवाजे में था
सोने का दरवाजा और।।
पुलिस पकड़ कर ले गई थाने
टुंडे को इक चोरी में,
रिश्वत देकर भुगता उसने
डंडों का खामियाजा और।
रेप, डकैती, मर्डर वाली....
खबरें आये दिन की हैं,
कुशल क्षेम की कोई पाती
ढूँढ के लादे ताजा और।
देर सबेर चुकाया मैंने सूद
असल पर उसको था,
असल सूद पर सूद चढ़ा कर
उसने मुझे नवाजा और।
सबको खूब पता था..लेकिन
सारे के सारे चुप थे,
राजा की रानी के दिल में
बसा हुआ था राजा और ।

दिनेश रस्तोगी
शाहजहाँपुर

हास्यव्यंग

धोखा देना तो एक आर्ट है जी!

रेखा शाह आरबी
बलिया यूपी

धरती पर कुछ लोग बेहद अजीब होते हैं अपनी हर नाकामी और नाकामयाबी का ठीकरा दूसरों के सर पर फोड़ना चाहते हैं। खुद की कमी बेवकूफी तो उन्हें कभी दिखाई नहीं देती। हां लेकिन दूसरों की काबिलियत पर उंगली उठाते रहते हैं। अपनी चालाकी तो विकास और दूसरों की चालाकी धोखा, मक्कारी नजर आती है इन लोगों को दुनिया देखने के चश्मे का नंबर बदलना चाहिए। होना यह चाहिए कि हम अपनी हार तिरस्कार और धोखा पर चिंतन मनन करें और अपने अंदर जिन कारणों की वजह से हमारी हार हुई उन कारणों के ऊपर विजय प्राप्त करें। अकेले करें या अकेले नहीं हो सकता तो अपने पूरे कुनबे के साथ सलाह मशविरा करके करें।

लेकिन नहीं उन लोगों के लिए दूसरे को धोखेबाज कहना आसान है... मैं मानती हूं...इस दुनिया में धोखा नाम की कोई चीज नहीं होती है ना कोई वस्तु होती है। मैं धोखेबाजी को एक कला मानती हूं आर्ट मानती हूं। उस कला के बदौलत ही बहुत लोग आप पर राज करते हैं। अगर आपके अंदर क्षमता है तो आप उनसे अधिक वह कला अपने अंदर विकसित कीजिए और उन्हें परास्त कीजिए। ना कि उनकी कला को बुरा भला कहिए। कोई भी कला तो कला होती है और हर एक कला का सम्मान होना ही चाहिए। अगर आपके अंदर धोखा देने की कला नहीं है तो इसका मतलब यह थोड़ी ना है कि सामने वाले की धोखा देने की कला का आप अपमान करने लगे आप धोखेबाज कहना प्रारंभ कर दे।

यहां पर किसी ने किसी को रोका हुआ नहीं है सब अपनी क्षमता के अनुसार अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं अतः आप भी कीजिए कोई कम करता है कोई ज्यादा करता है। कोई बहुत ज्यादा करता है। लेकिन करते तो सब है जिसकी जितनी क्षमता होती है। आपको यह खुशी खुशी मान लेना चाहिए आप मूर्ख हैं, बेवकूफ हैं, नादान है, दुनियादारी से अनजान है। अतः आप बेवकूफ बनाए गए और धोखा खा गए और आपको अपने ऊपर जबरदस्त

मेहनत करने की जरूरत है। आपको अब तक जिन जिन लोगों ने धोखा दिया है उनको अपना गुरु मानकर सुबह.शाम दंडवत प्रणाम करना चाहिए और उनसे धोखा देने के ज्ञान की दीक्षा लेनी चाहिए तभी आप का कल्याण हो सकता है।

अब जनता का ही ले लीजिए जनता का हमेशा से रोना पीटना मचा रहता है फलाना ढिमकाना नेता ने पहले यह कहा था... वह कहा था, अब जीतने के बाद जनता को धोखा दे रहे हैं... मैं पूछती हूं आखिर उस फलाना ढीमकाना नेता ने क्या...? आपको लिखित मे स्टांप पर लिख लिख कर हर एक को दिया था कि मैं यह काम करूंगा ही करूंगा। आपने उनके बोल बच्चन पर विश्वास किया उन्होंने अपनी बोलने की सिद्ध कला की महारत दिखाई थी। आप झांसे में नहीं आते आपको पकड़कर तो ले नहीं गए थे। आपको उनका प्रलोभन दिखाई देता है लेकिन अपना लोभ दिखाई नहीं देता। महानुभाव आपको कभी अपने गिरेबान में भी झांक कर देखना चाहिए और दुनिया में तो हर जगह धोखाधड़ी फैली हुई है। हर क्षेत्र में इसका भरपूर इस्तेमाल हो रहा है अगर यह इतना ही बुरा होता तो इक्का–दुक्का लोग इस्तेमाल करते और जबकि सभी इसका इस्तेमाल थोड़ा बहुत कर रहे हैं तो जरूर इसके अंदर कोई गुण खूबी होगी। जिससे आप अभी तक वंचित और उसी के चलते हर तरफ आपको नाकामी का सामना करना पड़ रहा है अतः आपको सख्त जरूरत है कि आप इस कला को जल्द से जल्द आत्मसात करें और दुनिया में रहने के अपने आप को काबिल बनाएं और धरती छोड़कर जाने से पहले आप भी धोखेबाजी में अपने नाम के झंडे इस धरती पर गाडे। वरना पीठ पीछे लोग आपको मूर्ख, नाकारा, नाकाम इंसान की उपाधि देने से जरा भी नहीं चुकेंगे।

दो आँसू

हैं शेष अभी भी लिखने को,
दो आँसू जो आँखों में हैं,
करुणा के सागर दो आँसू,
इनकी पीड़ा की थाह नहीं।

इन दो बूँदों से तुलसी ने,
मानस का पूरा सार लिखा।
इनसे ही गोपी–राधा का,
कवियों ने पीड़ा–प्यार लिखा।

ये बहे तुम्हारे हर दुख पर,
पर इनकी तुमको चाह नहीं।
आँखों की इन दो बूँदों से,
सबरी ने जीते राम प्रभू।
मीरा ने इन दो बूँदों से,
अपनाये हैं घनश्याम प्रभू।

ये सदा तुम्हारे थे लेकिन,
तुमको इनकी परवाह नहीं।
आँसू की इन दो बूँदों पर,
धरती लिख दूँ अम्बर लिख दूँ।
लिख दूँ मैं सारी प्रणय–पीर,
उसके नीचे सागर लिख दूँ।

सब कुछ देखा है सहा मगर,
है मुख से निकली आह नहीं।

अभिषेक ठाकुर 'अधीर'

नीना सिन्हा, पटना, बिहार

कारावास

खुल रही ट्रेन में एक युवती आकर चढ़ी, गेट के पास खड़े होकर दाएँ–बाएँ देखा और आकर सामने वाले बर्थ पर बैठ पत्रिका के पन्ने पलटने लगी। उद्विग्न सी थी। कुछ समय उपरांत चलती ट्रेन में पास से गुजरता एक युवक ठमक कर रुका। आक्रोशित स्वर में बोल उठा, "यूँ अकेले कहाँ जा रही हो, भाभी? भैया जी को पता है या नहीं?"

उस युवक ने फोन पर किसी से बात की और नजरों से ओझल हो गया। घबराई सी युवती ने पर्स में से कागज–कलम निकालकर कुछ लिखा, पर्ची बनाई और उससे पूछा, "सर! क्या आप मेरी मदद करेंगे?" मैंने स्वीकारोक्ति दे दी। "पर्ची रखिए! ससुर जी के इस चमचे ने मुझे पहचान लिया है, अब तक सबको खबर कर दी होगी। मेरे साथ किसी अनहोनी की सूरत में मेरे ससुराल का नंबर और पता कृपया पुलिस तक पहुँचा दीजिएगा। मायके का भी नंबर है, फोन कर दीजियेगा।" "हुआ क्या है?" मैंने पूछा। "सर! इस क्षेत्र के एक बाहुबली के बेटे से प्रेम विवाह किया था। ससुराल में पिंजरे में बंद पंछी समान उनके रहमो करम पर जीवन बिता रही थी, मौका मिलते ही आज निकल भागी। पर ..." बात पूर्ण होने से पहले ही एक छोटा सा स्टेशन आया, ट्रेन धीमी होने लगी। लपककर कुछ गुंडेनुमा व्यक्ति सबको धकियाते हुए घुस आए, नजरों में तलाश थी। युवती पर नजर पड़ते ही उसे दबोचकर खींचना प्रारंभ कर दिया। "ऐसा क्यों कर रहे हैं आप?" मैंने यथासंभव मुलायम स्वर में पूछा, क्योंकि मैं भी डरा हुआ था। एक ने पलटकर आग्नेय नेत्रों से घूरा, "देख बे! बहूजी हमारे बॉस के घर की जीनत हैं। इनको भगाने वाला शख्स तू ही तो नहीं? ज्यादा चूँ–चपड़ की तो तेरी साँसे यहीं खत्म।" रोती चिल्लाती, मदद माँगती युवती को खींचते–धमकाते उतारकर वे सारे भीड़ में लोप हो गए। ट्रेन दोबारा रेंगने लगी। मैं अवश क्या करता, युवती की सुरक्षा की दुआ माँगता पुलिस और उसके मायके वालों को फोन लगाने लगा।

चुनावी दोहे

बिजली पानी सड़क को, दरकिनार कर लोग।
जाति धर्म पर कर रहे, सत्ता का सुख भोग।
राजनीति में एक दिन, हुआ गजब का खेल।
आँखों से सुरमा चुरा, गणित कर दिया फेल।

राजनीति के वृक्ष पर, बैठ गए लंगूर।
जनता देखे दूर से, हैं खट्टे अंगूर।
रंग बदलती कोठियाँ, नियम हुए सब भंग।
राजनीति दिखला रही, कैसे–कैसे रंग।

अवसरवादी नीति ही, होती रही कुबूल।
धरे रह गए ताक पर, वादे और उसूल।
लाइन में तो थे लगे, निष्ठावान फकीर।
कोई आकर खा गया, पकी पकाई खीर।

कांग्रेस बसपा सपा लगते सब बीमार।
ताल ठोंककर भाजपा लड़ने को तैयार।
चमरौधे भर में बँटी सारी रात शराब।
पूरे दो सौ वोट का यूँ हो गया हिसाब।

बस्ती के बाहर बसे, मेहतर और चमार।
लेकर आई बूथ तक, ठाकुर जी की कार।
पंगत बैठे खा रहे बाम्हन और अहीर।
मीठी मीठी लग रही है चुनाव की खीर।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'

स्मार्ट सिटी की सड़कें बनी तबेला, पूरे दिन पशु करते हैं विचरण

लोक पहल

शाहजहांपुर। शहर को जब स्मार्ट सिटी में शामिल किया गया और नगर निगम की स्थापना हुई तो शहरवासियों में विकास कार्यो को लेकर मानो उम्मीदों के पंख लग गये। शहर के लोग उन सभी समस्याओं से छुटकारा मिलने का सपना संजोने लगे जिनसे वह अक्सर दो–चार हुआ करते थे। हालांकि शहर की सड़कों में कुछ सुधार हुआ व पथ प्रकाश व्यवस्था भी बेहतर हुई लेकिन रही सही कसर सीवर लाईन, पानी की लाईन और गैस पाइप लाईन को लेकर हुई खुदाई ने पूरी कर दी। सड़कों पर गढ्ढों के साथ–साथ आवारा कुत्तों के झुण्ड, बेसहारा मवेशियों और पूरे दिन भैसों के आवागमन से लोगों को आज तक राहत नहीं मिल सकी है। भैसों का आवागमन और आवारा मवेशियों का सड़कों पर विचरण शहर के प्रमुख और बड़े मुद्दों में से एक है। शहर का शायद ही कोई मोहल्ला या सड़क होगी जहां पशु पालक पालतु जानवरों को खूंटे में बांधते हो।

हालांकि आवारा पशुओं के लिए गौशालाओं का निर्माण किया गया, भारी मात्रा में धन का आवंटन भी हुआ लेकिन यह गौशालाएं सिर्फ कागजों पर चलाई जा रही है। कुछ सड़कों का चौड़ीकरण तो किया गया लेकिन स्मार्ट सिटी की इन सड़कों पर अनवरत निकलने वाली भैंसो और आवारा पशुओं के झुण्डों के कारण हमेशा जाम लगा रहता है और दुर्घटनाओं का सिलसिला भी कम नहीं हो रहा है। पशु पालकों की उदासीनता और हठधर्मिता के चलते स्मार्ट सिटी की सड़कों को तवेला बनाकर रख दिया है। एक अनुमान के अनसार शहर में कई हजार मवेशी शहर की लाखों जनता पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं। शहरवासियों का मानना है कि अगर जल्द ही शहर की सड़कों पर जानवरों के विचरण पर रोक नहीं लगाई गई तो सड़को पर आदमी नहीं केवल जानवर भी चलते दिखाई देंगे।
शहर के अंटा चौराहा, बिजलीपुरा, घंटाघर, चौक, बक्सरियां, मस्जिदगंज, गर्रा फाटक, बंकाघाट, हनुमतधाम, केरूगंज, मोहम्मदजई,

बाडूजई, मिशन तिराहा, जलालनगर, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर मवेशियों, भैंसों और कुत्तों के झुण्ड सड़कों पर हर समय घूमते दिखाई देते है। इसके अलावा शहर में बंदरों ने भी आतंक मचा रखा है। बंदरों के आक्रमण से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक घायल हो चुके है और कईयों को तो मौत के मुंह में भी चले गये। शहर के लगभग सभी इलाकों में बंदरों का आतंक मचा हुआ है लेकिन नगर निगम की ओर से बंदर पकड़ने को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है।

शहर को जल्द मिलेगी 'कैटिल कालोनी' की सौगात

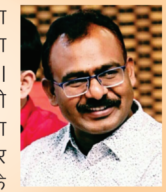

शहर में विचरण करते आवारा गौवंश के लिए एक गौशाला का और निर्माण कराया रहा है। जिसमें शहर के सभी आवारा गौवंशों को रखा जायेगा जिससे शहरवासियों को जल्द ही इस समस्या से निजात मिल सकेगी। जहां तक सड़कों पर भैंसो के आवागमन की बात है तो शहर में डेयरी खोलना न्यायालय ने प्रतिबंधित कर रखा है। वैसे तो कैटिल कालोनी का निर्माण विकास प्राधिकरणों में कराया जाता है लेकिन फिर भी शाहजहांपुर नगर निगम शहर 'कैटिल कालोनी' के निर्माण के लिए भूमि के आवंटन के लिए प्रयासरत है भूमि के आवंटन होने के बाद शहर में कैटिल कालोनी का निर्माण कराया जायेगा और वहीं पर डेयरी पालन किया जायेगा। **संतोष शर्मा, नगर आयुक्त**

अब नगर निगम करायेगा कुत्तों की नसबंदी

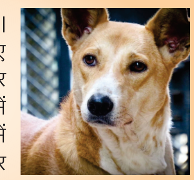

जल्द ही आपको शहर में घूमते आवारा कुत्तों से निजात मिल सकेगी। नगर निगम ने कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए 'ऐनीमल बर्थ कंट्रोल सेन्टर' की स्थापना करने जा रहा है। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि यह सेन्टर शहर के ककरा में बनाया जायेगा। इसके लिए टेंडर भी हो गया है। बर्थ कंट्रोल सेन्टर में कुत्तों को पकड़कर उनका आपरेशन/नसबंदी किया जायेगा। नगर आयुक्त ने बताया कि एक कुत्ते को पकड़ने से लेकर उसके आपरेशन व ठीक होने तक करीब 1200 रूपये का खर्च आयेगा।

राष्ट्र नायकों व महान विभूतियों के नाम पर हों शहर के मोहल्लों के नाम

- शहर के प्रवेश मार्गो पर बनाये जाएं भव्य प्रवेश द्वार
- जागरूक नागरिक मंच ने उठाई मांग

लोक पहल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर शहर की जनता पहली बार अपना महापौर चुनने जा रही है। आगामी 11 मई को निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा। सभी राजनैतिक दल व निर्दलीय प्रत्याशी अपने–अपने पक्ष में मतदान करने के लिए दिन रात एक किये हुए है। घर–घर जाकर मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करने के साथ ही शहर के विकास के लोक लुभावने वादे भी कर रहे है। अगर प्रत्याशियों के सभी वादों को जोड़कर अगर उन पर अमल कर लिया जाए तो शायद शाहजहांपुर शहर स्मार्ट सिटी से भी अधिक विकसित हो जायेगा लेकिन शहर के जागरूक नागरिकों के मन में तमाम वादों के बाद भी तमाम तरह की आशंकायें और अपेक्षाएं हैं। सड़क, बिजली, पानी से इतर शहर के वाशिंदे अपने पहले महापौर से कुछ ऐसा चाहते हैं जो पहले कभी नहीं हुआ हो और इतिहास में दर्ज हो सके। शहरवासियों को शहर के विकास को लेकर जहां एक ओर तमाम तरह की उत्सुकता है वहीं उनके मन में कई तरह के ऐसे विचार है जो शहर को एक नया स्वरूप प्रदान कर सकते है। इसी को लेकर संस्था जागरूक नागरिक मंच की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था के सदस्यों ने शहर के विकास के लिए तमाम मुद्दों को उठाया......।

मंच के संयोजक **डा. अलोक कुमार सिंह** ने मांग उठाई कि हमारे नए महापौर को चाहिए कि शहर के मोहल्लों के नामों को बदलने के लिए पुनः समीक्षा हो। अफगान बसावट के कारण शहर के अनेक मोहल्लों के नाम उन अफगान कबीनों के नाम पर हो गए जिनका यहां के सांस्कृतिक जीवन से कोई सरोकार नहीं है। इसी प्रकार ब्रिटिश काल खण्ड में शराब के प्रख्यात व्यापारी के नाम पर बसे मोहल्लें की प्रासंगिकता का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। ऐसे में यह जरूरी है कि अपना शहर जो स्वाधीनता संग्राम की क्रान्तिकारी गतिविधियों का सिरमौर रहा है उसके मोहल्लों के नामकरण की दोबारा समीक्षा हो।
मंच के संयोजक डा. आलोक सिंह ने कहा कि मंच शाहजहांपुर के नए महापौर के समक्ष मोहल्लों के नाम जनपद के शहीदों, राष्ट्र नायकों, प्रख्यात साहित्यिक और आध्यात्मिक विभूतियों के नाम पर किये जाने की मांग रखेगा। साथ ही इसके लिए मंच के माध्यम से शासन और प्रशासन से नाम बदलने की मांग भी की जाएगी। अफगान कबीलों के नाम पर शहर के मोहल्लों के नाम न केवल हास्यास्पद है बल्कि कालातीत समय की कहानी कह रहे हैं। अफगानों की शहर में आमद के इतने वर्षो बाद इन मोहल्लों से अनेक ऐसी शख्सियतें निकली है जिनका यश पूरे देश और विदेश में फैला है। ऐसे में यह जरूरी है कि मोहल्लों के नाम बदलकर हमारे शहर की महान शख्सियतों के नाम पर मोहल्लों के नाम रखे जाएं।

मंच के सदस्य **ईशपाल सिंह** ने मांग उठाई कि शहर में प्रवेश करने वाली प्रमुख सड़कों पर भव्य प्रवेश द्वार बनाये जाएं जिनका नामकरण उस क्षेत्र की महान विभूतियों के नाम पर किया जाये। बरेली मोड़ चौराहे पर बने द्वार का नाम स्वामी शुकदेवानन्द द्वार रखा जाये वहीं हरदोई रोड पर मिश्रीपुर चौराहे पर बने प्रवेश द्वार का नामकरण महान आध्यात्मिक संत महात्मा रामचन्द्र जी महाराज 'बाबूजी' के नाम पर किया जाये। इसी तरह हथौड़ा चौराहे में बने प्रवेश द्वार का नाम पं. राम प्रसाद बिस्मिल और पुवायॉ रोड पर बने प्रवेश द्वार का नाम शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम पर किया जाना चाहिए। साथ ही शहर में प्रवेश करने वाली अन्य प्रमुख सड़क पर शहीद रोशन सिंह के नाम से प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाये।

मंच के सदस्य इतिहासकार **डा. विकास खुराना** ने कहा कि बाबा विश्वनाथ मंदिर कमेटी के पूर्व सचिव राकेश गुप्ता ने खन्नौत स्थित शमशान घाट पर एक विद्युत शवदाह गृह बनाए जाने का प्रयास शुरू किया था तकरीबन बारह लाख रुपए का एक इस्टीमेट भी गुजरात कंपनी से बनवा कर निगम को सौंपा गया था किंतु राकेश गुप्ता के आकस्मिक देहावसान तथा सुपरसीड के कारण योजना मूर्त रूप नही ले सकी। नए मेयर से उम्मीद है इस पर कार्य करेंगी। दूसरी ओर शहर से हरियाली गायब होती जा रही है, हम लोगो को फलों के पौधो के नाम पर कुछ सड़के चाहिए जैसे मैंगो रोड, बनाना रोड इत्यादि। शहर की प्राकृतिक विरासत की रक्षा निगम को करनी चाहिए। हम लोग अभी हाल ही में इस संदर्भ में एक ज्ञापन भी निगम को सौंप चुके हैं किंतु उसपर हुआ कुछ नही। विद्युत शवदाह गृह के निर्माण हो जाने से जहां एक ओर अन्तिम संस्कार की क्रिया में समय की बचत होगी वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण भी होगा। एक अन्तिम संस्कार की क्रिया में करीब तीन कुन्तल लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है जिससे प्रतिदिन कई पेड़ प्रभावित होते है। हमारी मांग है कि हमारी नई महापौर शहर के दोनो शमशान स्थलों में विद्युत शवदाह गृह का निर्माण कराकर लोगों को सुविधा प्रदान करें।

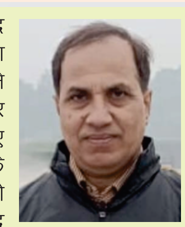

मंच के सदस्य **प्रो0 एसके यादव** ने मांग उठाई कि स्वामी शुकदेवानन्द महाविद्यालय से डीएफओ आफिस की ओर जाने वाली नहर का सौन्दर्यीकरण कर उसे मार्निंग वाक के लिए एक बेहतर उपयोग करने के प्रयास किये जाये। नहर को दोनो तरफ से पक्का पर उन पर लाइटिंग और बैठने की व्यवस्था करने के साथ ही टहलने वालों के लिए पथ का निर्माण कराया जाना चाहिए। उन्होंने मांग उठाई कि नहर के सौन्दर्यीकरण के लिए जो भी निर्माण कार्य हो उसकी गुणवत्ता भी बेहतर होनी चाहिए। अभी पिछले दिनों नहर के किनारे बनी सड़क चंद दिनों बाद ही उखड़ना शुरू हो गई है। जिससे राहगीरों को तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

/ सम्पादकीय /

क्या उचित है समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता ?

भारतीय समाज में वैसे तो समलैंगिक विवाह का कोई स्थान नहीं है लेकिन पाश्चात सभ्यता के अंधे अनुकरण में तमाम युवा समलैंगिक विवाह कर रहे है। चूंकि भारतीय समाज में और कानून की दृष्टि से समलैंगिक विवाह की कोई मान्यता नहीं है इसलिए अब समलैंगिक जोड़े अपनी शादी को कानूनी मान्यता दिए जाने की मांग कर रहे है। वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ इस विषय पर सुनवाई कर रही है कि क्या मौजूदा कानून समान लिंग के जोड़ों के बीच विवाह की अनुमति प्रदान करता है, और अगर नहीं तो क्या विशेष विवाह अधिनियम की प्रस्तावना में समान लिंग विवाह को वैध करने की गुंजाईश है?
यह प्रश्न इसलिए उत्पन्न हो रहा है क्योंकि जबसे सर्वोच्च नयायालय ने समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया है, और वर्ष 2017 में सेक्सुअल ओरिएंटेशन को निजता के अधिकार के तहत संरक्षित माना है, समान लिंग वाले जोड़े यह मांग कर रहे हैं कि उनके बीच संबंधों को भी कानूनी मान्यता प्राप्त हो। इस तरह उनके विवाह को भी वैधानिक अधिकार मिले। 5 जजों की संविधान पीठ की अगुवाई चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ कर रहे हैं। यह मांग इसलिए की जा रही है, क्योंकि वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा लाभ केवल उन्हीं को दिए जाते हैं जिनके पास विवाह की कानूनी स्वीकृति है, समान–लिंग वाले जोड़ों को कुछ बुनियादी संबंध अधिकारों तक पहुंचने में परेशानी होती है। चाहे वह एक साथ एक घर खरीदना हो, चिकित्सा बीमा हासिल करना हो, एक संयुक्त बैंक खाता हो, विरासत सुनिश्चित करना हो, या यहां तक कि वीजा आवेदन भी हो, इन सभी में समान–सेक्स भागीदारों की कोई मान्यता नहीं है। भारत में विशेष विवाह अधिनियम, 1954 एक धर्मनिरपेक्ष कानून है जो अनुष्ठापन और परिणामी पंजीकरण प्रदान करता है। दुर्भाग्य से इस्तेमाल की जाने वाली भाषा लिंग विशिष्ट है, यानी, केवल पुरुष–महिला विवाह पर विचार करती है। इसलिए अनुष्ठापन और परिणामी पंजीकरण से संबंधित सभी कानून लिंग विशिष्ट हैं और गैर–पुरुष व महिला विवाह और उसके पंजीकरण के लिए कोई गुंजाइश प्रदान नहीं करते हैं। यही वर्तमान में असंवैधानिक होने के रूप में सर्वोच्च न्यायलय के समक्ष लंबित है।
समान–लिंग को कानूनी मान्यता का मतलब होगा कि एक युगल पुलिस और कानूनी सुरक्षा तक पहुंच सकता है। कानूनी पेचीदगियां जो जाति सजातीय विवाह और नियमों को बनाए रखती हैं और जो उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गोपनीयता का उल्लंघन करके युगल के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं, उन्हें जनता के ध्यान में लाया जाना चाहिए। तभी समान–लिंग विवाह समानता का परिणाम ट्रांस–क्वीर समुदाय को राज्य संरक्षण की सीमा के भीतर गले लगाना शुरू हो जाएगा। अगर कोई सकारात्मक फैसला होता है तो ताइवान के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देने वाला भारत एशिया का दूसरा देश होगा। वर्तमान में, दुनिया में 32 देश ऐसे हैं जो समलैंगिक जोड़ों को शादी करने की अनुमति देते हैं। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है लेकिन आम लोगों मन में यह विचार जरूर उठ रहा है कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से क्या समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता प्रदान करना भारतीय परिवेश में उचित होगा।

युवाओं को दिशाहीन बना रहा है सोशल मीडिया

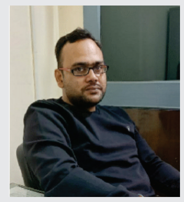

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

बीते दिनों कुछ ऐसी घटनाएं घटित हुई हैं जो किसी भी सामाजिक बुद्धिजीवी को चिंता के गर्त में धकेल सकती हैं। अभी कुछ दिन पूर्व ही हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है। जहां एक ओर समाचार पत्रों की सुर्खियों में मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियां छाई रहीं, वहीं असफलता से निराश होकर आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठाए जाने की हृदयस्पर्शी घटनाएं भी सुनने को मिलीं। यह निस्संदेह गंभीर चिंता का विषय है कि तनिक सी असफलता के कारण आज का किशोर वर्ग आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठा रहा है। आज से कुछ ही दशकों पूर्व की बात की जाए तो हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होती थीं। इन परीक्षाओं के परिणाम को लेकर जहां कुछ परीक्षार्थियों के मन में उत्सुकता की लहरें उठा करती थीं, तो वहीं अधिकांश विद्यार्थी परिणाम को लेकर एक खौफ के माहौल में रहा करते थे। उस समय की स्थिति यह हुआ करती थी कि परीक्षा का परिणाम 40 प्रतिशत से अधिक नहीं रहता था। प्रथम श्रेणी एवं ससम्मान उत्तीर्ण होने वालों की संख्या तो गिनी चुनी ही होती थी। आज का परिदृश्य तो पूर्णतया परिवर्तित हो चुका है। यदि सत्य कहा जाए तो आज दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाएं केवल कहने मात्र को ही बोर्ड परीक्षाएं हैं। इसके अतिरिक्त ये पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्र, अंकों एवं परिणाम की कसौटी को लेकर पुराने समय की परीक्षाओं की तुलना में कुछ भी नहीं हैं। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहाँ तीन से चार दशक पूर्व अस्सी प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करना लोहे के चने चबाने जैसा था, वहीं आज के विद्यार्थियों के लिए यह एक आम बात हो गई है। इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि आज के विद्यार्थी योग्यता अथवा बुद्धिमत्ता के पैमाने पर कहीं अच्छी स्थिति में हैं। सच्चाई यह है कि पाठ्यक्रम की सरलता, परीक्षा पद्धति एवं मूल्यांकन में शिथिलता ने अंकों के स्केल पर अच्छा प्रतिशत स्कोर करने को एक बेहद आसान कार्य बना दिया है।

प्रश्न यह उठता है कि परीक्षा का स्वरूप इतना आसान हो जाने के बावजूद भी कतिपय विद्यार्थियों के असफल होने का क्या कारण है। यकीनन ये वही विद्यार्थी होते हैं जो परीक्षा एवं पढ़ाई को लेशमात्र भी गंभीरता से नहीं लेते। एक अन्य प्रश्न यह बनता है कि क्या अनुत्तीर्ण होने की दशा में आत्मघाती कदम उठा लेना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है। क्या बजाय इसके, स्वयं को अपनी गलती सुधारने का प्रयास करने का अवसर देना एक बेहतर विकल्प

नहीं हो सकता है। इन अविवेकपूर्ण निर्णयों से होने वाली क्षति की भरपाई कर पाना पूर्णतया असंभव होता है। एक अन्य घटना जो युवाओं एवं किशोरों में बढ़ती दिशाहीनता की प्रवृत्ति को उजागर करती है, समाचार पत्रों के साथ–साथ प्रशासन तक में हलचल मचा चुकी है। फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर पोस्ट किए जाने वाले लघु अवधि के वीडियो को शूट करते हुए एक युवक ने जहर पीने का प्रयास किया। ऐसी घटनाएं यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि आखिरकार युवा एवं किशोर वर्ग किस मार्ग का अनुसरण कर रहा है। युवाओं को दिशाहीनता के अंधकूप में धकेलने में सोशल मीडिया की एक बड़ी भूमिका है। आये दिन सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर नए नए फीचर अपडेट हो जाते हैं। शार्ट वीडियो रील भी एक ऐसा ही फीचर है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी अपने–अपने तरीकों से इस नए फीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

किशोरावस्था की दहलीज पर कदम रखने वालों के अंदर यह भावना पूर्ण प्रबलता के साथ विद्यमान होती है कि उनके द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाए जिससे समाज में उनकी छवि किसी फिल्म के हीरो जैसी बने। जहर पीते हुए वीडियो रील बनाने का दुस्साहस कर लेना वस्तुतः उनकी इसी मूर्खतापूर्ण अभिलाषा का परिणाम है। बहरहाल सवाल यह उठता है कि किशोरों एवं युवाओं के द्वारा किए जा रहे इन उद्देश्यविहीन कृत्यों को आखिरकार कैसे रोका जाए। निस्संदेह आज के माहौल में यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसमें सफलता हासिल करने के लिए सामाजिक एवं पारिवारिक स्तर पर ही पहल की जानी चाहिए। समाज में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए जिसमें युवाओं एवं किशोरों का सम्यक मार्गदर्शन करते हुए उन्हें यह भली–भांति समझाने का प्रयास किया जाए कि आत्महत्या एवं सोशल मीडिया पर भांति भांति के मूर्खतापूर्ण कारनामों से केवल और केवल उनका एवं उनके परिवार का ही नुकसान है। उनके अंदर यह संदेश कूट कूट कर भरा जाना चाहिए कि वे इस देश का भविष्य हैं। पारिवारिक स्तर पर भी यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किशोरों के द्वारा मोबाइल फोन का प्रयोग सीमित मात्रा में एवं केवल अध्ययन संबंधी कार्यों हेतु ही किया जाए। निश्चित रूप से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने की महती आवश्यकता है क्योंकि किशोरवर्ग की दिशाहीनता का सीधा सा अर्थ है– राष्ट्रीय विकास के वृक्ष की जड़ का कमजोर हो जाना।

वाणी का सदुपयोग

डा. कनक रानी
पूर्व प्राचार्य

यदि संसार के सभी प्राणियों को अपने वश में करना चाहते हो तो अपनी वाणी को परनिंदा से बचाओ। अप्रामाणिक बिन्दुओं–आधारहीन तथ्यों पर चर्चा समय और परिश्रम का दुरुपयोग मात्र है। किसी की निंदा उचित नहीं। वाणी का असंयम–स्खलन क्लेश का कारण बन सकता है। अपशब्दों में मानसिक स्थिति को उद्वेलित करने का दोष होता है।
मेरी जिह्वा मधुरभाषिणी हो। हितकारिणी हो। अमृतमयी हो। सद्भावों से संयुक्त हो। नई चेतना– नई प्रेरणा से युक्त हो। सु–मन से नियंत्रित हो। शांति की संवाहक हो।
बृहदारण्यक उपनिषद् में कहा गया है कि सर्वेशाम् वेदानां वागेकायनम्। वाणी ज्ञान का मुख्य अधिष्ठान है। भावाभिव्यक्ति का प्रमुख माध्यम है। वृक्षों की छाया में मनीषियों के ज्ञान के संचार में वाणी ने अहम भूमिका निभाई। वाणी सुपथ पर संचालित कर सकती है। लक्ष्याधिगम में सहायक बन सकती हैं। परिवेश में अनुकूलता ला सकती है। नव स्फूर्ति का संचार करती हैं। शब्द अंतः जगत और बाह्य जगत पर अदृश्य रूप से प्रभावकारी होते हैं।
वाणी का समुचित उपयोग ही सांस्कृतिक संदेश है। सामाजिक स्वास्थ्य में इसकी अहं स्थिति है। जीवन की श्रेष्ठता में महती भूमिका है वाणी की। महापुरूषों ने वाणी की शक्ति से समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया। नीतिकार भर्तृहरि संस्कारित वाणी की महत्ता का उल्लेख करते हैं– वाण्येका समलंकरोति पुरूषं या संस्कृता धार्यते। निस्सन्देह, वाणी मृदुता से युक्त होकर सुख की साधक है, ज्ञान से संयुक्त होकर कल्याण की संवाहक है।
अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितञ्च यत्। स्वाध्यायाभ्यसनम् चैव वाङ्मयं तप उच्यते।।
श्रीमद्भगवद्गीता / 17 / 15
यहां उद्वेग उत्पन्न करने वाली वाणी को उचित नहीं ठहराया गया। कारण यह है कि क्रोध, उत्तेजना, विरोध के आवेग मे कटुवाणी / अपशब्दों की सम्भावना रहती है। वाणी पर संयमन स्वनियंत्रण से संभव है। वाणी पर नियंत्रण की दिशा में प्रयास वांछित हैं।
भाषा भावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। शब्दों में व्यक्ति / समाज के उन्नयन की अपूर्व क्षमता होती है। वैदिक काल में ज्ञान– विज्ञान मौखिक रूप से दीर्गावधि तक गतिमान–प्रवाहमान होता रहा, जनमानस का संस्करण करता रहा। भाषा मात्र विचारों के आदान–प्रदान का माध्यम नहीं। शब्दों की ऊर्जा सकल परिवेश में प्रसारित होती है। वाणी की सार्थकता वा सफलता द्वेष को कमतर करने में है। सद्भावों के प्रसारण में है।
मधुर बोल प्रेम और सद्भाव के अंकुरण हेतु आधारभूमि का निर्माण करते हैं। स्मरणीय है कि मधुर बोल वही कहे गए जिनसे कल्याण का पथ प्रशस्त होता है। इस सन्दर्भ में सूक्ति है कि शीतल जल, चंदनरस, शीतल छाया भी मनुष्य के लि, उतनी आह्लादकारी नहीं, जितनी मीठी वाणी–न तथा शीतल सलिलं न चंदनरसो न शीतला छाया। न प्रह्लादयति च पुरुषं यथा मधुरभाषिणी वाणी।।
वाणी की विशेषता, यथा मधुरता, सत्य–समन्विता, सार्थकता ही इसको प्रभावपूर्ण बनाती हैं। भाषा की उत्कृष्टता में हृदयों की दूरियों को ध्वस्त करने की क्षमता निहित है। इसके सुप्रभाव से विषम परिस्थितियां भी अनुकूलता की ओर बढ़ सकती हैं। शब्दों के

समुचित प्रयोग से मनों की कटुता का निस्तारण किसी हद तक किया जा सकता है। इसीलि, वाणी के सदुपयोग हेतु सजगता निर्देशित है।
सम्प्रति भाषायी गिरावट चिन्ता का विषय बना है। यह सामाजिक शांति में अवरोधक है। चूंकि यह प्रकरण वैयक्तिक ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर को भी सुप्रभावित करता है, अतः इस संदर्भ में विशेष चिंतन का अपेक्षा है। भाषा का उद्देश्य मात्र वाचिक स्वतंत्रता है अथवा उचित भावों का संप्रेषण? यह विचारणीय प्रश्न है। बोलने की स्वतंत्रता का अनुचित अर्थग्रहण समीचीन नहीं। इसमें कोई अत्युक्ति नहीं कि भाषिक स्वतंत्रता औचित्य की परिधि में ही प्रशस्त्य है।
पारिवारिक–सामाजिक परिवेश हो अथवा राजनीतिक, सर्वत्र संस्कारित, संयमित व संतुलित शब्दावली यथेष्ट प्रभाव डालती है। सामान्यतः इसके प्रभाव से वक्ता तथा श्रोता दोनों ही संस्पृष्ट होते हैं। अतएव प्रयास किया जाना चाहि, कि संचार प्रक्रिया का प्रमुख स्रोत वाणी भाषागत नकारात्मक प्रतिक्रिया का आधार न बने। परिवेश में अनुकूलता का समावेश हो, इस हेतु ईश्वर प्रदत्त निधि भाषा के समुचित प्रयोग का आग्रह है।

मंत्री सुरेश खन्ना ने मेधावी छात्र छात्राओं को किया सम्मानित

हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट और श्री राम चंद्र सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट और श्री राम चंद्र सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने हाई स्कूल,इंटर और स्नातक कक्षाओं के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया । महात्मा रामचंद्र जी महाराज के जन्मोत्सव पर श्री रामचंद्र मिशन आश्रम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री सुरेश खन्ना ने महात्मा रामचंद्र जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर व माल्यार्पण कर किया। इस मौके मुख्य अतिथि सुरेश खन्ना ने कहा कि बाबूजी ने कहा था कि जब तक अपनी इच्छाओं का त्याग नहीं करेंगे तब तक हम खुश नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि बाबू जी महाराज जैसे संत पुरुष शाहजहांपुर की धरती पर पैदा हुए और यहाँ से एक ऐसे मिशन की स्थापना की जो आज विश्व के 164 देशों में लोगों के जीवन में आध्यात्मिक चेतना का संचार कर रहा है। इस मौके पर श्री खन्ना ने श्री रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष और हार्टफुलनेस मेडीटेशन के ग्लोबल गाइड पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित कमलेश डी पटेल द्वारा लिखित पुस्तक 'द विजडम ब्रिज' और सत्यपद पत्रिका का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने हाई स्कूल, इंटर व स्नातक के मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। पूर्व में मुख्य अतिथि श्री खन्ना का रामचंद्र सेवा संस्थान के सचिव डा. दिनेश चंद्र अग्निहोत्री, आश्रम प्रबंधक दीपक त्यागी, सुयश सिन्हा , ललिता त्यागी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह बजाज ने की और संचालन हर्ष अग्रवाल ने किया। इस मौके पर डा. स्वप्निल यादव, वैभव टंडन, सुजल अग्निहोत्री, कृष्णा भारद्वाज, लक्ष्य वाधवानी, अजीत कुमार, प्रांजल अग्निहोत्री, प्रतिमा, सुनीता सिन्हा, संजीव मौर्य, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसएस कालेज में मजदूर दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर ग्राम बनतारा ब्लॉक भावलखेड़ा जनपद शाहजहांपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अपर जिला जज पीयूष तिवारी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण में श्रमिकों का योगदान महत्वपूर्ण होता है। भारत के लोक कल्याणकारी राज्य है यहां न केवल श्रमिकों के कल्याण के लिए कानून बनाए गए हैं बल्कि सरकार भी श्रमिकों के कल्याण के लिए बहुत सारी योजनायें संचालित कर रही है। प्राचार्य डॉ0 जय शंकर ओझा ने बताया कि मजदूर दिवस की नीव 1 मई, 1886 को अमेरिका के शिकागो शहर में एक आंदोलन से पड़ी थी। मृदुल शुक्ला ने बताया कि देश के असंगठित क्षेत्र में 42 करोड़ श्रमिक काम करते हैं।

इस दौरान संयोजक डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 पवन कुमार गुप्ता, मृदुल शुक्ला, सूरज तिवारी ने भी सम्बोधित किया। संचालन डॉ0 पवन कुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान यश भारती, यश गुप्ता, दीक्षा मिश्रा, निशि दीक्षित, मानसी दीक्षित, निशा खान, सुधीर कुमार आनंद पाल असद खान, दिव्यम मिश्रा, रितु कुमारी, ग्राम प्रधान बीपी सिंह यादव रोहित, अजय, पंकज अनूप, विकास आदि उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर के बंडा में मतदाता किसे चुनेंगे अपना पहला नगर पंचायत अध्यक्ष

भाजपा को बागियों से खतरा तो कांग्रेस व बसपा नहीं उतारे प्रत्याशी

लोक पहल

शाहजहाँपुर। इस बार शाहजहांपुर में तीन नई नगर पंचायतों का गठन किया गया। जहां पहली बार मतदाता नगर पंचायत अध्यक्ष और सदस्य का चुनाव करेंगे। इन्हीं में से एक है नगर पंचायत बण्डा। नगर पंचायत बनने के बाद पहली बार बंडा में अध्यक्ष पद का चुनाव हो रहा है। पहली बार हो रहे चुनाव में पार्टी नेताओं की महत्वाकांक्षाएं भी बड़ी है इसी के चलते भाजपा में टिकट की घोषणा होने के साथ ही इस सीट पर पार्टी में बगावत भी शुरू हो गई है। यहां पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी के ही दो पुराने कार्यकर्ता चुनाव मैदान में हैं। वहीं सपा के साथ ही निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में पूरा जोर लगा रहे हैं।

बंडा को दिसंबर, 2019 में नगर पंचायत का दर्जा मिला था। इसके बाद से ही कई लोग चुनाव की तैयारी करने लगे थे। अनारक्षित सीट होने के कारण सबसे ज्यादा टिकट के दावेदार भाजपा से थे। नामांकन की अंतिम तारीख से ठीक एक दिन पहले भाजपा ने

सभी को दरकिनार करते हुए विश्व विजय वीर सिंह को अपना प्रत्याशी बना दिया। इसके बाद कई प्रत्याशी भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतर आए।

बंडा के मंडल महामंत्री भूषण वीर सिंह, कार्यकर्ता विनय सिंह ने प्रत्याशी के खिलाफ नामांकन करा दिया। वहीं मंडल उपाध्यक्ष अच्युतानंद पांडेय अपने भाई सच्चिदानंद को चुनाव लड़ा रहे हैं। पार्टी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तीनों को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है।

हालांकि इससे बागियों के तेवर में कमी नहीं आई और वे पूरी ताकत से चुनाव में जुटे हुए हैं। सपा ने कुमार गौरव को प्रत्याशी बनाया है, जबकि कांग्रेस और बसपा ने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। प्रत्याशियों की नजर मुस्लिम के साथ ही ओबीसी और अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपनी ओर करने मे जुटे हुए है।

कवि ज्ञान को मिला पंचशील काव्य गौरव सम्मान

लोक पहल

शाहजहांपुर। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में डा0 अम्बेडकर माह का समापन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर साहित्य के क्षेत्र में अनवरत योगदान के लिए कवि ज्ञानेंद्र मोहन 'ज्ञान' को 'पंचशील काव्य गौरव सम्मान' प्रदान किया गया। पूर्व में उपस्थित लोगों ने भंते चंद्र रत्न एवं भिक्खु संघ से त्रिसरण एवं पंचसील ग्रहण कर तथागत बुद्ध व डा0 अम्बेडकर के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर सुरेश पाल सिंह एडवोकेट, पूज्य भंते करुणानन्द महाथेरा, सेंट्रल बार के पूर्व अध्यक्ष जसविंदर बजाज, मलिखान सिंह दिनकर, ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान', डा0 डी लाल, राम सागर यादव, सियाराम दिनकर, तोताराम, बृजेश वर्मा, विनोद कुमार, अरुण कुमार, मातादीन वर्मा, महबूब इदरीसी, कु0 कामना आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान विनोद कुमार छावला, शैलेन्द्र कुमार, अनूप कुमार, जगदीश चंद्रा, सियाराम दिनकर, अरुण दीक्षित, सूबेदार मेजर वीरेंद्र प्रताप, संदीप गौतम, गियारी लाल, योगेश कुमार, सत्यपाल वर्मा, बृजेश कुमार एडवोकेट, एडीओ एजी अशोक कुमार आदि सहित काफी संख्या में धम्म उपासक महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

नौ मई तक पहुंचाये वाहन, नहीं तो होगी एफआईआर

लोक पहल

शाहजहाँपुर। एआरटीओ परिवर्तन ने वाहन मालिकों को निर्देश दिए हैं कि जिन वाहन मालिकों के वाहन निकाय चुनाव के लिए अधिग्रहीत किये गये है। वह 09 मई तक ओसीएफ रामलीला मैदान में पहुंच जाए। जो वाहन समय से नहीं पहुंचेंगे उनके वाहन मालिकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जायेगी। जिला प्रशासन ने निकाय चुनाव को लेकर एआरटीओ प्रशासन से 607 वाहनों की मांग की है। प्रेक्षक के लिए एक वाहन, जिला निर्वाचन अधिकारी के लिए एक, उपजिला निर्वाचन अधिकारी के लिए एक, निर्वाचन अधिकारी के लिए 12, सहायक निर्वाचन अधिकारी के लिए 72, जोनल मजिस्ट्रेट के लिए 18, सेक्टर मजिस्ट्रेट के लिए 62, एफएसटी के लिए 54 तथा पुलिस के लिए 187 हल्के वाहनों की मांग की गई। इसके अलावा पोलिंग पार्टी के लिए 191 तथा पुलिस बल के लिए 8 भारी वाहनों की मांग भी की गई है। एआरटीओ प्रशासन ने सभी वाहन मालिकों को नोटिस भेजकर निर्देश दिए हैं कि 09 मई को दोपहर तक ओसीएफ रामलीला मैदान में वाहन लेकर एंट्री करवा दें। एआरटीओ प्रशासन आरके सिंह ने बताया कि जो वाहन स्वामी समय से वाहन लेकर नहीं पहुंचेंगे उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जायेगी।

जेल अधीक्षक ने महिला बंदियों को बांटा दैनिक उपयोग का सामान

लोक पहल

शाहजहांपुर। जेल में गरीब व जरुरत मंद महिला बंदियों को इंडिया विजन फाउंडेशन के सौजन्य से विभिन्न प्रकार के वस्त्र, स्लीपर, हेल्थ व हाइजीन किट भेंट की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पियूष तिवारी व जेल अधीक्षक मिजाजी लाल ने महिला बंदियों को वस्त्र, स्लीपर व बहुउपयोगी दैनिक उपयोग की सामग्री भेंट की गई। किरन वेदी के अन्दर समाज सेवा व लेखन कार्य का ऐसा

जुनून था कि पुलिस अनुसंधान व विकास ब्यूरो के महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत रहते हुए भी उन्होंने सेवा से सन्यास ले लिया। और समाज सेवा में जुट गई। इंडिया विजन फाउंडेशन अन्य क्षेत्रों के अतिरिक्त देश की जेलों में भी बंदी सुधार कार्यक्रम चला रहा है जिसमें बंदी कल्याण, शिक्षा, कौशल विकास आदि क्षेत्र में अनेकानेक कार्यक्रम संचालित कराता है। कारागारों में सुधार कार्य के दृष्टिकोण से वह अधिकारी–कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराता है।

शाहजहांपुर जेल में जरुरतमंद बंदियों हेतु 100 जोड़ी महिला स्लीपर, 200 थैले हेल्थ व हाइजीन किट (2 लाइफबॉय साबुन, 1 कपड़े का साबुन, कॉलगेट टूथपेस्ट, टूथब्रश, डाबर आमला केशतेल व कंघी) 100 लेडीज वस्त्र शामिल थे।

आवश्यकता है
लोक पहल
साप्ताहिक समाचार पत्र को
जनपद शाहजहाँपुर के समस्त क्षेत्रों, तहसीलों, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर संवाददाता चाहिए। पूर्ण बायोडाटा सहित आवेदन करें।
सम्पर्क करें : 9935740205, 9455152599 | Write to us : lokpahalspn@gmail.com

ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएं होंगे विकास: ब्रजेश पाठक

उपमुख्यमंत्री ने प्रबुद्धजन सम्मेलन में भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील

लोक पहल

शाहजहांपुर। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो विकास कराना जानती है। इसलिए पार्टी प्रत्याशियों को ही वोट दें। उप मुख्यमंत्री गांधी भवन में आयोजित भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में बोले रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मति मारी गई है। जो देश की संस्कृति, विरासत के झंडे को लेकर चलने वाले लोगों को बैन करने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में सिपाही से लेकर एसपी तक पर हमले होते थे। लखनऊ में सीओ को कार के बोनट पर टांगकर घुमाया गया। तब कानून व्यवस्था ध्वस्त थी। अब कानून का राज है। सपा शासन में महिलाएं सुरक्षित नहीं थीं। यहां के युवाओं को बुद्धि, कौशल के आधार पर रोजगार दिया जा रहा है। उन्हें दूसरे राज्यों में भी सम्मान मिलता है। सड़कें, स्कूल सब बेहतर हो रहे। सबसे ज्यादा औद्योगिक निवेश बेहतर हो रहा। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में विपक्ष वादे कर रहा उनसे पूछा जाना चाहिए कि इन्हें कैसे पूरा करेंगे। केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार है। वित्त मंत्री यहां के हैं। ऐसे में भाजपा ही विकास कराएगी। क्योंकि भाजपा काम करना जानती है। केन्द्र में और प्रदेश में भाजपा की सरकार है ऐसे में यदि शहर का विकास कराना चाहते हैं तो नगर निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएं।

पाठक ने शाहजहांपुर से पारिवारिक रिश्ते बताते हुए कहा कि वह भी चाहते हैं कि यह शहर विकास की राह पर आगे बढ़े। पालिका चुनाव में सफलता न मिलने के बाद भी वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर निगम बनाकर इस दिशा में कदम बढ़ाया है। पार्टी की महापौर प्रत्याशी अर्चना वर्मा को चुनाव जिताने के बाद विकास कार्य तेजी से होंगे। वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना, मेयर पद की प्रत्याशी अर्चना वर्मा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संचालन महामंत्री नवनीत पाठक ने किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

पहले चरण के मतदान में सपा काफी आगे निकली : नरेश उत्तम पटेल

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने पार्टी कार्यालय पर किया कार्यकर्ताओं को सम्बोधित

लोक पहल

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि प्रदेश की जनता समाजवादी पार्टी को निकाय चुनाव में जिताना चाहती है क्योकि पिछले छः सालो में भाजपा ने शहरो की हालत बुरी तरह खराब कर दी है। चार मई को पहले चरण के मतदान में सपा काफी आगे निगल गई है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्री पटेल आज यहां समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे कि शाहजहांपुर मे तीन मंत्रियों से अपने विभाग तो संभल नही रहे यह चुनाव क्या जिताएगें चुनाव जनता जिताती है और जनता समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी माला राठौर का एक तरफा समर्थन कर रही है। मतदाता सूची में हेरफेर के सवाल पर उन्होने कहा मतदाता सूची में हेरफेर करना एक समुदाय विशेष का वोट कटवाना प्रशासन और पुलिस का दुरूपयोग करना भाजपा की कुटिल रणनीत है जो लोकतंत्र के लिए जो बहुत घातक है उन्होने कहा हम इसे लेकर चुनाव आयोग में शिकायत करते रहे है और फिर करेंगें सपा नेता ने अरोप लगाया कि भाजपा सामजिक समरस्ता, सामजिक सोहार्द और भाई चारे की विरोधी है और घृंणा फैलाकर समाज को सत्ता के लिए बांटती चली आ रही है।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां, मेयर प्रत्याशी माला राठौर, पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद, अमित यादव रिंकू रिजवान अहमद, सर्वेश राठौर, रणजंय सिह यादव विकास चन्द्रा एडवोकेट, गायत्री वर्मा, सजीव वर्मा, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं समाजवादी पार्टी के मुखिया: नितिन अग्रवाल

आबकारी मंत्री ने पालिका चुनाव में भाजपा को भारी मतों से जिताने की अपील की

लोक पहल

हरदोई। समाजवादी पार्टी के मुखिया तुष्टीकरण की राजनीति करने में लगे हुए हैं एक व्यक्ति विशेष जाति को फायदा पहुंचाने के लिए देश की अस्मिता को भी दाव पर लगा दिया है। यह बात भाजपा के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने काशीनाथ गेस्ट हाउस में प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को संबोधित करते हुए कही। श्री अग्रवाल नगर पालिका के प्रत्याशी सुख सागर मिश्र मधुर के प्रचार हेतु जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप लोगों से निवेदन है कि मधुर जी को इतने भारी मतों से विजय बनाएं, जिससे प्रदेश में जनपद हरदोई का नाम रोशन हो जाए। श्री मिश्र की जीत तो सुनिश्चित है परंतु इसका अंतर इतना ज्यादा होना चाहिए कि प्रदेश में इतने भारी मतों से कोई भी प्रत्याशी विजय होकर ना आया हो। श्री अग्रवाल ने कहा आप सबके भरोसे ही हमारा परिवार हमारे पिताजी पिछले 50 वर्षों से इस जनपद में आप लोगों की सेवा कर रहे हैं सन 2008 से आप सबके बीच आपके आशीर्वाद से आपका यह बेटा हरदोई के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता है जनपद में मेडिकल कॉलेज हो या रिंग रोड लाने का काम आपके इस बेटे ने किया है।

इस अवसर पर प्रत्याशी मधुर मिश्रा प्रबुद्ध जनों से ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने एवं वोट देने की अपील की, सभा की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ जेके वर्मा ने मधुर को भारी मतों से जिताने की अपील की। इस अवसर पर डॉ अजय अस्थाना, डॉ सौरभ दयाल, डॉ तिरुपति आनंद, डॉ नवीन सक्सेना, लायन हरगोविंद सेठी, ज्योति प्रकाश सिन्हा, उत्तम श्रीवास्तव, जितेंद्र श्रीवास्तव, वीरेश श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव, महेश अस्थाना, धीरज अस्थाना, दिनेश अस्थाना, आशीष श्रीवास्तव, पंकज अस्थाना, राजवर्धन श्रीवास्तव, शीलू सिन्हा, रिशु सिन्हा, अविनाश गुप्ता, सुशील रस्तोगी, सुनील रस्तोगी, आशीष अस्थाना, निश्चल खरे, सुयस खरे सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

सोलर सिटी के रूप में विकसित होंगे उ.प्र. के नगर निगम

प्रतीकात्मक तस्वीर।

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अयोध्या की तर्ज पर 16 नगर निगमों को भी सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए सरकार ने एक विस्तृत योजना तैयार की है। योजना को लागू करने के लिए इसकी तैयारी शुरू हो गई है। इन नगर निगमों में सोलर ट्री, ई रिक्शा, वाटर कियोस्क सहित अन्य इंतजाम किए जाएंगे। बता दें कि प्रदेश के पहले सोलर सिटी के रूप में अयोध्या को विकसित किया जा रहा है। करीब 40 करोड़ की इस परियोजना के लिए इस वर्ष बजट में 15 करोड़ 75 लाख रुपये का इंतजाम किया गया है। इसके तहत सरकारी एवं आवासीय भवनों पर सोलर प्लांट, सोलर स्ट्रीट लाइटें, सोलर हाईमास्ट, एनर्जी पंप और सोलर बोट तक का इंतजाम किया जा रहा है।

अब प्रदेश के अन्य नगर निगमों को भी सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। इसके लिए अलग–अलग नगर निगमों का आकलन करके परियोजना तैयार की गई है। इससे संबंधित नगर निगमों का जहां सौंदर्यीकरण हो सकेगा वहीं बिजली की खपत भी कम होगी। सोलर सिटी में 50 किलोवाट के जरिए 40 से 50 दुकानों को आच्छादित करते हुए वेंडिंग जोन बनाया जाएगा।

सोलर सिटी के तहत पर्यटन स्थल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थल पर सोलर ट्री लगाए जाएंगे। इसमें एलईडी लाइटें लगी हैं। मोबाइल और लैपटॉप चार्ज करने की भी व्यवस्था की गई है। सोलर से चार्जिंग स्टेशन तैयार किया गया है। अयोध्या में परिक्रमा मार्ग पर आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। अयोध्या में 40 ई रिक्शा भी संचालित होंगे। सरकार का मानना है कि प्रदेश के पहले सोलर सिटी के रूप में अयोध्या का विकास किया गया है। इसके सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। अब अन्य नगर निगमों को भी विकसित करने की तैयारी चल रही है।

अच्छी खबर: उ.प्र. के 35 हजार बच्चे करेंगे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से पढ़ाई

लोक पहल

लखनऊ। उ.प्र. में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 105 सर्वोदय विद्यालयों के बच्चों का भविष्य तकनीक आधारित शिक्षा से संवरने वाला है। इन विद्यालयों के बच्चों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक का उपयोग करते हुए शिक्षा प्रदान की जाएगी। स्मार्ट क्लास में बच्चों को 3 डी वीडियो, हाई रेजोल्यूशन इमेज आदि के माध्यम से विभिन्न विषयों को रोचक तरीके से पढ़ाया जाएगा। ताकि कठिन से कठिन सवाल आसानी से बच्चों को समझाया जा सके।

समाज कल्याण विभाग व एम्बाइब सीएसआर के साथ विगत सप्ताह हुए एमओयू के अनुसार कक्षा 6 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन कंटेंट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त एम्बाइब मोबाइल एप के माध्यम से निःशुल्क प्रदान किया जाएगा। साथ ही जेईई, नीट की तैयारी हेतु कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को प्रतियोगी सामग्री व अभ्यास प्रश्न भी उपलब्ध कराए जायेंगे। दिनांक 9 एवं 10 मई, 2023 को विज्ञान व गणित विषय के शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा, जो ई–लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एवं ई–कंटेंट के बेहतर प्रयोग के साथ ही आधुनिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कर ठोस शैक्षिक नींव तैयार करेंगे।

समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण का कहना है कि ऑनलाइन एवं ऑफलाइन के हाइब्रिड मोड में तकनीक आधारित आधुनिक शिक्षा पद्धति के माध्यम से ठोस शैक्षिक नींव तैयार की जा रही है, जिससे जेईई, नीट इत्यादि प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी अपना श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने में सफल हो सकें।

मतदान में की गड़बड़ी तो होगी कड़ी कार्रवाई : जिलाधिकारी

लोक पहल

शाहजहाँपुर। नगर निकाय चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने नगर पंचायत कांट एवं नगर पंचायत कटरा का भ्रमण किया। उन्होने नगर पंचायत कांट में स्थित राजकीय इण्टर कालेज एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय कांट में बनाए गये मतदान केन्द्रो का निरीक्षण किया। उन्होने कटरा नगर पंचायत क्षेत्र के काकोरी शहीद इण्टर कालेज कटरा एवं प्राथमिक विद्यालय कटरा में बनाए गये मतदान केन्द्रो को भी देखा।

इस दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों पर समस्त व्यवस्थाएं समय से पूर्ण की जाये। मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान के दौरान बूथों पर भीड़–भाड़ इकट्ठा न हो व्यवस्थित रूप से ही निर्वाचन सम्पन्न कराया जाये।

जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश देते हुये कहा कि मतदान के दौरान गड़बड़ी करने का प्रयास करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या निर्वाचन में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक एस आनन्द ने पुलिस अधिकारियों को कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश देते हुये कहा कि चुनाव को पूर्ण निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करायें।

खुदागंज नगर पंचायत पर 23 साल से भाजपा का कब्जा, किला बचाने की है चुनौती

लोक पहल

शाहजहांपुर। शहीद रोशन सिंह की सरजमीं खुदागंज नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए हो रहे चुनाव में 23 साल से काबिज भाजपा को अपना किला बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। यहां भाजपा और सपा प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला है। 23 साल से भाजपा के कब्जे वाली इस सीट पर जीत के लिए समाजवादी पार्टी भी पूरी ताकत के साथ मैदान में डटी है। कांग्रेस और बसपा ने यहां से अपना प्रत्याशी नहीं उतारा है। कोई निर्दलीय भी मैदान में नहीं है। ऐसे में यहां मुकाबले बेहद रोचक हो गया है।

खुदागंज नगर पंचायत में पिछले 23 साल से भाजपा का कब्जा है। नगर पंचायत खुदागंज का गठन वर्ष 1978 में हुआ था। पहला चुनाव 1988 में हुआ। तब मुतहर बेग चेयरमैन बने थे। इसके बाद 1993 में मुतहर बेग की भाभी नसीमा बेगम पत्नी मजहर बेग नगर पंचायत अध्यक्ष बनी थीं। खुदागंज भाजपा का गढ़

माना जाता है। 2000 में सामान्य सीट होने पर भाजपा के सुधीर सिंह चेयरमैन बने थे। इसके बाद सामान्य महिला सीट होने पर सुधीर सिंह की पत्नी सुधा सिंह चेयरमैन बनी थीं। तब से हर चुनाव में सुधा सिंह जीतती आ रहीं हैं।

वर्तमान में भाजपा से सुधा सिंह और सपा से ताहिर अली चुनाव मैदान में हैं। सपा प्रत्याशी ताहिर अली को जिताने के लिए पार्टी पदाधिकारी पूरा जोर लगा रहे हैं। वहीं भाजपा अपना किला बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती। 2017 के चुनाव में खुदागंज नगर पंचायत में चार प्रत्याशी थे। सपा के प्रत्याशी बाबू सिंह, बसपा के ताहिर अली, निर्दलीय शिवओम गुप्ता ने भाजपा प्रत्याशी सुधा सिंह को चुनौती दी थी, लेकिन जीत सुधा सिंह को ही हासिल हुई थी।

खुदागंज की पहचान अमर बलिदानी ठाकुर रोशन सिंह से है। खुदागंज में स्थित गांव नवादा दरोबस्त क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह की जन्मस्थली है।

बसपा जोनल कोआर्डीनेटर ने थामा कांग्रेस का हाथ

लोक पहल

शाहजहांपुर। निकाय चुनाव के दौरान नेताओं दल बदलने का सिलसिला लगातार जारी है। बसपा को झटका देते हुए पार्टी के जोनल कोआर्डीनेटर सत्यम मिश्रा ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व उ.प्र. के सहप्रभारी तौकीर आलम, अल्प संख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शहनाबाज आलम, जिलाध्यक्ष रजनी

गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष व जनपद प्रभारी रिसाल अहमद की मौजूदगी में बसपा से त्यागपत्र देकर काग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर तमाम कांग्रेस नेताओं ने सत्यम मिश्रा का फूल माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि सत्यम मिश्रा के कांग्रेस में शामिल होने से पार्टी को बल मिलेगा और निकाय चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भारी मतों से जीत हासिल करेगी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तक्षशिला स्कूल का स्थापना दिवस

लोक पहल

शाहजहांपुर। तक्षशिला पब्लिक स्कूल का 23वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस स्कूल की स्थापना वर्ष 2000 में परमपूज्य ब्रहमलीन श्री त्यागी जी महाराज के द्वारा की गई थी। स्कूल के प्रबंधक राज कुमार खण्डेलवाल, निदेशक अरूण खण्डेलवाल, मनु खण्डेलवाल, प्रधानाचार्य प्रखर खण्डेलवाल, उपप्रधानाचार्य केसी जोशी ने मां सरस्वती की प्रतिमा एवं पूज्य त्यागी जी महाराज के चित्र के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। इस दौरान स्कूल के छात्र छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान विद्यालय की जिला स्तर पर चयनित होने वाली बॉलीवाल टीम की छात्राओं हर्षिता चरग, द्विति मिश्रा, सिद्धि सिंह, देवांशी को प्रबंध समिति की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अलवीरा, बेरोनिका व रूशांक शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। अन्त में सभी का आभार प्रधानाचार्य प्रखर खण्डेलवाल ने व्यक्त किया। आयोजन में शैलेन्द्र सिंह, हेमंत अनेजा, निधि मेहरोत्रा, वोश्की गुप्ता, फरहाना खान, एकता सक्सेना, प्रतिमा सिंह, अखिल, प्रसून त्रिपाठी, नेहा श्रीवास्तव, शीवा खान, अंजलि अग्रवाल, मधुवाला श्रीवास्तव, शुभांगी, शिवम सक्सेना, गीतिका खन्ना, भारती, प्रीति सिंह, गोविन्द सिंह, शिवम शुक्ला, मुद्रिका आदि का सहयोग रहा।

नगर आयुक्त ने किया निर्माणाधीन ओवरहेड का निरीक्षण

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने चिनौर में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक का निरीक्षण किया। नगर निगम, शाहजहाँपुर में 15 वें वित्त आयोग की धनराशि से नव विस्तारित क्षेत्र चिनौर वासियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पेयजल योजना के तहत जल निगम द्वारा चिनौर में स्थित ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक के निर्माण कार्य में 40–45 श्रमिक कार्यरत पाये गये। इस मौके पर उपस्थित अधिशासी अभियंता जल निगम ने अवगत कराया कि निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक का निर्माण कार्य 85 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, शेष निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जायेगा। दो ट्यूब बेल की स्थापना हेतु पम्प हाउस का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वहीं बाउन्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य भी पूर्ण हो गया है।

ओवरहेड टेंक का निर्माण कार्य जून 2023 तक पूर्ण किये जाने के लिए नगर आयुक्त ने निर्देशित किया। साथ ही यह निर्देश भी दिये कि प्रत्येक दशा में ओवरहेड टैंक का संचालन आरम्भ कर दिया जायें, जिससे क्षेत्रवासियों को पानी की समस्या से निजात मिल सके। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त महोदय द्वारा निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक के निकट पीछे की और छोटा तालाब को देखा तथा जल सरंक्षण के लिए 3–4 फिट गहराई का तालाब विकसित किये जाने हेतु निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक जल सौरभ श्रीवास्तव अधिशासी अभियंता सिविल, आशीष त्रिवेदी, अधिशासी अभियंता जल निगम, सहायक अभियंता जल निगम एवं अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल 8 भाजपा नेता निष्कासित

लोक पहल

शाहजहांपुर। नगर निकाय चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों का विरोध करना कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया है। पार्टी ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों में सम्मिलित व पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों को चुनाव में हानि पहुंचाने के लिए तथा स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव लड़ाने के लिए पार्टी से 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। यह जानकारी देते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष अरूण गुप्ता ने बताया कि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा राम निवास, महानगर महामंत्री महिला मोर्चा नीलम गुप्ता, ओबीसी मोर्चा की महानगर मंत्री प्रीति सक्सेना, भावलखेड़ा मण्डल के महामंत्री सौरभ सक्सेना, भावलखेड़ा मण्डल के मंत्री गंगा सागर वर्मा, सदर के मण्डल मंत्री ओमकार भोजवाल, युवा मोर्चा भावलखेड़ा के उपाध्यक्ष अभिषेक वर्मा व चिनौर वार्ड अध्यक्ष अशोक पाल को पार्टी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के कारण 6 वर्ष के लिए निष्कासित करने का फैसला लिया गया है।

अपील

मतदान लोकतन्त्र का आधार और मतदाता का संवैधानिक अधिकार है। अतः आप सभी सम्मानित मतदाताओं से अपील है कि जनपद की समस्त नगरीय निकायो के लिये नियत मतदान दिवस 11 मई 2023 को मतदान अवश्य करे तथा नगरीय स्वशासन को सुदृढ बनाये।

आज्ञा से
जिला मजिस्ट्रेट/
जिला निर्वाचन अधिकारी (न०नि०)
जनपद–शाहजहाँपुर

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय

नैक बी+

मुमुक्षु आश्रम, शाहजहाँपुर

प्रवेश का स्वर्णिम अवसर

विधि स्नातक पाठ्यक्रम

LL.B. पंचवर्षीय (12वीं उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

LL.B. त्रिवर्षीय (स्नातक आदि उत्तीर्ण छात्र कम से कम 45 प्रतिशत)

विधि स्नातकोत्तर (पी.जी.) पाठ्यक्रम

LL.M. द्विवर्षीय (विधि स्नातक उत्तीर्ण छात्र)

LAW

विधि 100 प्रतिशत रोजगार युक्त पाठ्यक्रम है।
योग्य और अनुभवी प्राध्यापकों
द्वारा नियमित कक्षाओं का संचालन।

LAW

विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
नामांकन के लिए प्रत्येक कार्य दिवस
पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक
महाविद्यालय कार्यालय में सम्पर्क करें।

LAW

विधि पाठ्यक्रमों में स्थान सीमित होने के कारण
प्रवेशार्थियों को चाहिए कि वे यथाशीघ्र
प्रवेश प्राप्त करें।

LAW

विस्तृत जानकारी हेतु महाविद्यालय के सम्पर्क सूत्र -

05842-796171, 796174, 9559913013, 9453721669
9005182809, 7007902156, 9473938629, 9415703943

शीघ्रता करें - स्थान सीमित

(विधि पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के लिए किसी प्रवेश परीक्षा की आवश्यकता नहीं, सीधे प्रवेश प्रारम्भ)

प्राचार्य: स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर

मुल्तानी मिट्टी है चिकनी त्वचा में मददगार

चिलचिलाती गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। धूप और तेज धूल भरी आंधी ने हर किसी को परेशान कर रखा है। इस मौसम में अपनी स्किन का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो गर्मी की शुरुआत से ही आपको स्किन से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, गर्मी के मौसम में स्किन पर धूप की वजह से टैनिंग होना तो आम बात है, पर जब रैशेज, खुजली, पिंपल्स होने लगते हैं तो दिक्कत बढ़ जाती है। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों के सामने आती है, जिनकी स्किन ऑयली होती है। ऑयली स्किन वाले लोग गर्मी भर इसी बात से परेशान रहते हैं कि उनके चेहरे पर न तो सही से मेकअप टिक पाता है, और न ही चेहरा पसीने की वजह से ग्लो करता है। अगर आप भी गर्मी में ऑयली स्किन पर होने वाली इन समस्याओं से परेशान हैं, तो इसमें मुल्तानी मिट्टी आपको राहत दिला सकती है। आज हम आपको मुल्तानी मिट्टी से बने कई ऐसे फेसपैक के बारे में बताएंगे, जिसको लगाकर आपका चेहरा ग्लो करेगा।

मुल्तानी मिट्टी के साथ लगाएं शहद

शहद में कई तरह के गुण पाए जाते हैं, जो स्किन को काफी फायदा पहुंचाते हैं। इसके लिए आप एक बाउल में करीब एक से डेढ़ चच मुल्तानी मिट्टी और करीब आधा चच शहद मिलाएं। इस पैक में गुलाब जल भी मिला लें। इस पैक को चेहरे पर लगाएं।

नींबू के रस में मिलाएं मुल्तानी मिट्टी

अगर आप नींबू के रस में मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पैक तैयार करेंगे तो इससे आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी। इसे बनाने के लिए दो चच मुल्तानी मिट्टी में दो चच नींबू का रस मिलाएं। अगर पेस्ट गाढ़ा हो गया है, तो इसमें गुलाब जल मिला सकते हैं। इस पैक को मात्र बीस मिनट के लिए चेहरे पर लगाना है।

मुल्तानी मिट्टी और टमाटर का रस

टमाटर में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। अगर आप मुल्तानी मिट्टी के साथ टमाटर का रस मिलाकर फेसपैक बनाएंगे तो उससे आपका चेहरा ग्लो करेगा। इस पैक को बनाने के लिए एक बाउल में करीब डेढ़ चच मुल्तानी मिट्टी और दो टमाटर का रस मिला लें। तैयार होने के बाद बीस मिनट तक इसे चेहरे पर लगाएं और फिर फेस धो दें।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा

गर्मियों के मौसम में एलोवेरा चेहरे पर ठंडक पहुंचाने का काम करता है। ऐसे में अगर आप इसे मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर लगाएंगी तो आपकी स्किन को काफी राहत मिलेगी। इसका फेसपैक बनाने के लिए एक बाउल में मुल्तानी मिट्टी लें और फिर इसमें 1 बड़ा चच फ्रेश एलोवेरा जेल मिलाएं। इसके बाद इस पैक को बीस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। सूख जाने के बाद इसे साफ कर लें। कुछ ही दिन में इसका असर दिखने लगेगा।

पिता पुत्र की जोड़ी भी बड़ी कमाल की जोड़ी होती है

आशीष प्रताप सिंह

दुनिया के किसी भी सम्बन्ध में, अगर सबसे कम बोल–चाल है। तो वह है। पिता पुत्र की जोड़ी में। एक समय तक दोनों अंजान होते है एक दूसरे के बढ़ते शरीरों की उम्र से, फिर धीरे से अहसास होता है। बिछड़ने का जब लड़का अपनी जावानी पार कर, अगले पड़ाव पर चढ़ता है। तो यहाँ इशारो से बाते होने लगती है। या फिर, इनके बीच मध्यस्त का दायित्व निभाती है माँ ।

पिता अक्सर पुत्र की माँ से कहता है जा "उससे कहे देना" और पुत्र अक्सर माँ से कहता है "पापा से पूछ लो ना" इन ही धुरियों के बीच घूमती रहती है माँ जब एक, कही होता है। तो दूसरा, वहाँ नही होने की कोशिश करता है शायद पिता– पुत्र नजदीकी से डरते है। जबकि, वो डर नजदीकी का नही है डर है उसके बाद बिछड़ने का।

भारतीय पिता ने शायद ही किसी बेटे को, कभी कहा हो की बेटा, में तुमसे बेइंतहा प्यार करता हूँ। पिता के अंनत रौद्र का उतराधिकारी भी वही होता है, क्योकि पिता हर पल जिंदगी में अपने बेटे को, अभिमन्यु सा पाता है। पिता समझता है।, कि इसे सम्भलना होगा, इसे मजबूत बनना होगा, ताकि जिम्मेदारियों का बोझ इसका बध न कर सके, जब मे चला जाऊंगा, इसकी माँ भी चली जाएगी, बेटिया भी अपने घर चली जाएगी तब रह जाएगा सिर्फ ये जिसे, हर कदम हर दम परिवार के लिए, आजीविका के लिए बहु के लिए, अपने बच्चों के लिए चुनौतियों से सामाजिक जटिलताओ से लड़ना होगा। पिता जानता है। कि हर बात घर पर नही बताई जा सकती इसलिए इसे, खामोशी से गम छुपाने सीखने होगे। परिवार के विरुद्ध खड़ी, हर विशालकाय मुसीबत को, अपने हौसले से छोटा करना होगा। न भी कर सके , तो खुद का वध करना होगा। इसलिए वो कभी पुत्र प्रेम प्रदर्शित नही करता, पिता जानता है कि प्रेम कमजोर बनाता है फिर कई बार उसका प्यार झल्लाहट या गुस्सा बनकर निकलता है वह गुस्सा अपने बेटे की कमियों के लिए नहीं होता, वह झल्लाहट है जल्द निकलते समय के लिए वह जानता है उसकी मौजूदगी की अनिश्चितता को पिता चाहता है कहीं ऐसा ना हो की इस अभिमन्यु का बध, मेरे दुवारा दी गई, कम शिक्षा के कारण हो जाए पिता चाहता है की पुत्र जल्द से जल्द सीख ले वह गलतियां करना बंद करें क्योंकि गलतियां सभी की माफ है पर मुखिया कि नहीं यहां मुखिया का वध सबसे पहले होता है फिर वह समय आता है जबकि पिता और बेटे दोनों को अपनी बढ़ती उम्र का एहसास होने लगता है बेटा अब केवल बेटा नहीं पिता भी बन चुका है कड़ी कमजोर होने लगती है पिता की सीख देने की लालसा और बेटे का उस भावना को समझ पाना वह सौमय्त भी खो देता है ।

फिर सभी को बेटे का इंतजार करते हुए मां तो दिखती है पर पीछे रात भर से जागा पिता किसी को नहीं दिखता पिता की उम्र और झुर्रियां और बढ़ती जाती हैं यह समय चक्र है जो बूढ़ा होता शरीर है पिता के रूप में उसे एक और बूढ़ा शरीर झांकता है आसमान से जो इस बूढ़े शरीर का बाप है कब समझेंगे बेटे कब समझेंगे बाप कब समझेगी यह दुनिया३३३३. यह इतने भी मजबूत नहीं है पता है क्या होता है उस आखिरी मुलाकात में जिन हाथों ने उंगली पकड़ कर पिता ने चलना सिखाया था वही हाथ लकड़ी के ढेर पर पड़े पिता को लकड़ियों से ढकते हैं उसे तेल से भिगोते हैं और उसे जलाते हैं यह कोई पुरुषवादी समाज की चाल नहीं है यह सौभाग्य भी नहीं है यह बेटा होने का सबसे बड़ा अभिशाप है। ये होता है, हो रहा है, होता चला जायेगा। जो नहीं हो रहा है और जो हो सकता है वो ये कि–हम जल्द से जल्द कहना शुरू कर दें हम आपस में कितना प्यार करते हैं हे मेरे महान पिता...मेरे गौरव, मेरे आदर्श, मेरा संस्कार, मेरा स्वाभिमान मेरा अस्तित्व... मैं ना तो इस क्रूर समय की गति को समझ पाया और ना ही आपको अपने दिल की बात कह पाया।

कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रहीं अनुष्का शर्मा

हमेशा की तरह इस बार भी साल का सबसे बड़ा फिल्मी इवेंट कान फिल्म फेस्टिवल होने जा रहा है। यह एक ऐसा इवेंट होता है, जिस पर दुनियाभर के लोगों की निगाहें टिकी होती हैं। इस फेस्टिवल में फिल्मों के साथ-साथ हसीनाओं का भी रेड कारपेट पर जलवा देखने को मिलता है। हाल ही में फैशन इवेंट मेल गाला का आयोजन हुआ था। वहीं अब 76वां कान फिल्म फेस्टिवल का आगाज होने वाला है। इस बार बॉलीवुड की एक और एट्रेस का नाम शामिल होने वाला है। इस साल कान्स के रेड कारपेट पर अनुष्का शर्मा भी नजर आएंगी। अनुष्का शर्मा कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक, एट्रेस इस इवेंट में उस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगी, जिसमें सिनेमा की दुनिया में महिलाओं को सानित किया जाएगा। इस इवेंट में एट्रेस के साथ हॉलीवुड की फेमस एट्रेस केट विंसलेट होंगी। इसकी जानकारी फ्रेंच एंबेसडर, इंडिया के इमैनुएल लेनिन ने दी है। फ्रेंच एंबेसडर ने बताया कि उन्होंने एट्रेस और उनके हस्बैंड से इस ट्रिप से पहले मुलाकात की है। एंबेसडर ने ट्विटर पर लिखा है, विराट कोहली और अनुष्का से मिलकर अच्छा लगा, मैंने विराट को और टीम इंडिया को अपकमिंग टूर्नामेंट के लिए बधाई दिया और कान्स फिल्म फेस्टिवल को लेकर अनुष्का शर्मा से डिस्कस किया। बता दें, इस साल 76वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 16 मई से 27 मई के बीच सेलिब्रेट किया जा रहा है। कान्स में अनुष्का से पहले बॉलीवुड की कई एट्रेसेज शामिल हो चुकी है। इस लिस्ट में ऐश्वर्या राय बच्चन, दीपिका पादुकोण, पूजा हेगड़े, हिना खान, सोनम कपूर, विद्या बालन और कंगना रनौट भी नजर आ चुकी हैं।

भोजपुरी | मसाला

सामंथा रुथ प्रभु की स्टारर मूवी शाकुंतलम 12 मई को होगी रिलीज

साउथ की सुपर स्टार सामंथा रुथ प्रभु की पीरियड ड्रामा फिल्म 'शाकुंतलम' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी। ये फिल्म कालिदास के मोस्ट पॉपुलर नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम' पर बेस्ड थी। ये फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि इस पौराणिक ड्रामा को ऑडियंस का खास रिस्पॉन्स नहीं मिला और ये अपनी आधी लागत भी वसूल नहीं पाई है। इन सबके बीच 'शाकुंतलम' अब ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है। चलिए यहां जानते हैं ये ओटीटी के किस प्लेटफॉर्म पर और कब स्ट्रीम होगी।

गुनशेखर द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'शाकुंतलम' को अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। फिल्म की ओटोटी रिलीज डेट आउट हो चुकी है।ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने ट्वीट कर बताया है कि ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडि?ो पर 12 मई को तेलुगु, तमिल, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी। हालांकि अभी तक प्राइम वीडियो ने इसे लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। बता दें कि 'शाकुंतलम' फिल्म में एट्रेस सामंथा ने शकुंतला का किरदार निभाया है वहीं मलयालम एटर देव मोहन दुष्यंत के रोल में हैं। कण्व महर्षि की भूमिका सचिन खेडेकर ने निभाई और दुर्वासा महर्षि की भूमिका मोहन बाबू ने निभाई है। प्रियंवदा और अनसूया का रोल अदिति बालन और अनन्या नागल्ला ने प्ले किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

गलतफहमी हमारे काम का हिस्सा है : पलक तिवारी

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान ईद के मौके पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म 100 के लब में शामिल हो चुकी है। इस मूवी में सलमान खान और पूजा हेगड़े के अलावा कई स्टार्स भी नजर आए थे। श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने भी इस फिल्म से डेब्यू किया है। इस बीच पलक तिवारी का एक बयान भी काफी सुर्खियों में रहा। पलक ने फिल्म के सेट पर सलमान खान के नियम का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि सलमान का एक नियम था कि फीमेल एटर को सेट पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए। वहीं, अब एट्रेस एक नए इंटरव्यू में कहा कि उनका मतलब सलमान और सेट पर उनके तरीकों के बारे में कुछ भी गलत नहीं था। पलक ने कहा है कि गलतफहमी हमारे काम का हिस्सा है, मेरे और सलमान सर के बीच की खबरों से मैं अचंभित नहीं हूं, योंकि मुझे पता है कि वे एक बेहद समझदार पर्सन हैं। वह ये भी जानते हैं कि मैं कभी भी उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहूंगी। मैंने एक गलती की, मैं सीखूंगी और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं अपनी लाइफ में हमेशा ध्यान रखूंगी। पिछले कुछ दिनों पलक तिवारी का नाम सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान संग जुड़ रहा है। हालांकि, इन खबरों पर पलक ने चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा कि इब्राहिम सिर्फ मेरा एक अच्छा दोस्त है और वह वास्तव में उसे बहुत अच्छी तरह से नहीं जानती है। वहीं अब एक बार फिर दोनों के डेटिंग की खबरें जोरो पर है। एट्रेस का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिस पर एक यूजर ने कमेंट कर कहा कि पिछली रात दोनों एक लब में पार्टी कर रहे थे और दोनों एक दूसरे को किस भी किया था। इस कमेंट के बाद एक बार फिर दोनों के रिलेशनशिप को लेकर खबरें तेज हो गई हैं।

यहां लड़की का हाथ मांगने के लिए गिफ्ट करना होता है व्हेल का दांत

दुनिया में जितने देश हैं, उतनी मान्यताएं हैं। भारत में रह रहे लोगों की अलग-अलग मान्यताएं और रिवाज हैं। मुमकिन है कि दूसरे देशों को ये अटपटे लगें पर हमारे लिए इन रिवाजों का बहुत महत्व होता है। इसी प्रकार फिजी एक छोटा सा आइलेंड देश है जहां कई तरह के रिवाजों का पालन किया जाता है। फिजी में शादियों के लेकर एक खास मान्यता है जिसमें व्हेल मछली का योगदान है। यहां शादी से पहले लड़का, लड़कीवालों को व्हेल मछली का दांत गिट में देता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार फिजी में स्पर्म व्हेल के दांतों को टाबूआ कहते हैं। इसे लेकर यहां एक पुरानी मान्यता है। जब भी कोई लड़का, अपने लिए लड़की चुनता है तो उसका हाथ मांगने के साथ ही, वो लड़की के परिवार को व्हेल का दांत यानी टाबूआ गिट करता है। दांत गिट करने पर जब लड़कीवाले उसे अपना लेते हैं, तभी शादी तय मानी जाती है।

इस देश में व्हेल के दांतों को गिट करना काफी आम मान्यता है, और शादी के अलावा,

लोग अंतिम संस्कार, सगाई, जन्म, या माफी मांगने के लिए भी दांत भेंट करते हैं। इसे भेंट करने का कारण ये है कि जब कोई किसी को टाबूआ गिट करता है, तो उसका अर्थ होता है कि उसके लिए वो संबंध, वादा, भरोसा बहुत ज्यादा मायने रखता है और उसके लिए सबसे ऊपर है। टाबूआ का फिजी की भाषा में अर्थ होता है पवित्र।

दांत का साइज अलग-अलग होता है, और इसे देश की राजधानी सूवा में कई दुकानों से खरीदा जा सकता है। ये मान्यता ग्रामीण इलाकों में ज्यादा प्रचलित है, पर शहरी इलाकों में भी लोग इसका पालन करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक टाबूआ का दाम हजारों डॉलर तक हो सकता है। 1 किलो के दांत की कीमत 80 हजार रुपये तक हो सकती है। इतने महंगे दांतों को लोग इसलिए भी खरीदते हैं योंकि ये उनके इज्जत की बात होती है। कई लोग एक दांत ही खरीदते हैं और उसे पेंडेंट की तरह डोरी से बांधकर भेंट करते हैं,

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक–सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।